

पालिका चुनाव में भाजपा का बोर्ड बनाकर प्रदेश सरकार के साथ कड़ी से कड़ी जोड़नी है : राठौड़



निस

तारानगर (नवयतन) । नगरपालिका चुनाव को लेकर भाजपा की ओर से रविवार को चौधरी गेस्ट हाउस तारानगर में विजय संकल्प सभा एवं कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन हुआ। सम्मेलन में पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि तारानगर क्षेत्र में विकास की गंगा बहानी है, तो हमें आगामी नगर पालिका व पंचायत चुनाव में भाजपा का बोर्ड बनाकर प्रदेश सरकार के साथ कड़ी से कड़ी जोड़नी होगी। राठौड़ ने कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर, पूरी ताकत के साथ नगरपालिका चुनाव में कमल खिलाने और भाजपा की ऐतिहासिक विजय सुनिश्चित करने का संकल्प दिलाया। जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित सम्मेलन को चुरू विधायक हरलाल सहारण, भाजपा नेता देवेन्द्र झाड़डिया, प्रभारी काशीराम गोदारा, डॉ वासुदेव चावला, जिला महामंत्री चन्द्राराम गुरी, भाजपा नेता राकेश जांगिड़, महावीर पुनिया, जसवंत स्वामी, दीनदयाल सैनी, शहर मंडल अध्यक्ष अनूप खंडेलवाल ने भी सम्बोधित किया व नगरपालिका व पंचायत चुनाव में भाजपा के हाथ मजबूत करने की बात कही। सम्मेलन में जमरदीन तेली, नरेश सहारण, अजीत राठौड़, संदीप काजला, लीलाधर बागोरिया, अयूब पटवा, मोहम्मद तैयब, भंवरलाल पुनिया, काशीराम गोदारा, विशाल शर्मा, चिरंजीलाल शर्मा, माणकचन्द सैनी, हरि इन्दोरिया, चुनौलाल सैनी, त्रिलोक रैगर, शिवकुमार शर्मा, रामावतार सैनी, राकेश टाक, अशोक जांगिड़ सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे। संचालन राजेन्द्र जोड़या ने किया।

पीएम मोदी ने स्पेस स्टार्टअप के फाउंडर्स से की मुलाकात, बोले- दुनिया का टैलेंट भारत लाना है



नई दिल्ली

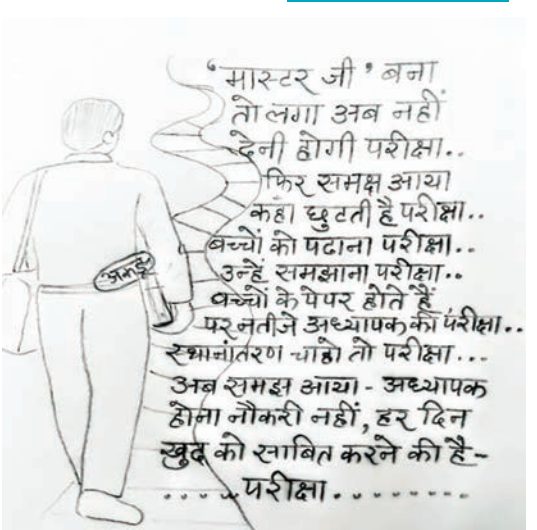
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को भारत के तेजी से बढ़ते प्राइवेट स्पेस सेक्टर को नई दिशा देने वाले स्टार्टअप और उनके फाउंडर्स से मुलाकात की। इस दौरान देश के निजी अंतरिक्ष इकोसिस्टम, स्पेस टेक्नोलॉजी, नए इनोवेशन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते इस्तेमाल जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। पीएम मोदी ने इस दौरान स्पेस सेक्टर में भारत की बढ़ती क्षमता और देश के स्टार्टअप के लिए मौजूद अवसरों पर भी बात की। उन्होंने कहा कि भारत के पास कम लागत, बेहतरीन टैलेंट और जोखिम उठाने की क्षमता जैसी कई मजबूत खूबियाँ हैं।

स्पेस सेक्टर में भारत के पास मजबूत आधार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आधिकारिक इंट्रोग्राम हैंडल से मुलाकात का एक वीडियो शेयर किया गया। वीडियो में पीएम मोदी स्पेस टेक्नोलॉजी और भारत के प्राइवेट स्पेस इकोसिस्टम पर अपनी बात रखते नजर आए। स्पेस स्टार्टअप के फाउंडर्स से बातचीत के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि भारत के पास स्पेस सेक्टर में एक बेहतरीन कॉमर्शियल मॉडल बनाने की क्षमता है। उन्होंने भारत की कम लागत और प्रतिस्पर्धी क्षमता का जिक्र करते हुए कहा कि टैलेंट के मामले में देश के पास कोई कमी नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने भारतीयों की रिस्क लेने की क्षमता को भी भारत की बड़ी ताकत बताया।

नवयतन

कोबरी पोस्ट



खाटूधाम में उमड़ा भक्ति का सैलाब मासिक मेले में देशभर से पहुंच रहे हैं श्रद्धालु

खाटूश्यामजी (नवयतन)। सीकर जिले के खाटूश्यामजी कस्बे की प्रसिद्ध धार्मिक नगरी खाटूधाम में बाबा श्याम का दो दिवसीय मासिक मेला रविवार को श्रद्धा और भक्ति के माहौल के साथ शुरू हुआ। एकादशी और द्वादशी को आयोजित होने वाले मासिक मेले में देश के कौने-कौने से बड़ी संख्या में श्याम श्रद्धालु खाटूधाम पहुंच रहे हैं। पुत्रदा एकादशी के

अवसर पर बाबा श्याम का मनमोहक श्रृंगार किया गया, जिसके दर्शन के लिए श्रद्धालुओं में खासा उत्साह नजर आया। देर रात्रि से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की कतारें लगनी शुरू हो गईं। रविवार का अवकाश होने के कारण मेले में श्रद्धालुओं की संख्या और बढ़ने की संभावना है। बाबा श्याम के जयकारों से पूरा खाटूधाम भक्तिमय नजर आ रहा है। मासिक मेले को

लेकर श्री श्याम मंदिर कमेटी, प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन की ओर से व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया गया है। सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के लिए करीब 650 पुलिसकर्मी, होमगार्ड, आरएसी के जवान एवं सेवादार तैनात किए गए हैं। डिप्टी राजेश जांगिड़ और सीआई इन्द्राज मरोडिया ने व्यवस्थाओं की कमान संभाल रखी है।

जयपुर के बाद जोधपुर में सीजेपी कार्यकर्ता की पिटाई भाजयुमो कार्यकर्ता ने थपड़ मारा; 2 दिन पहले स्कूल की बदहाली दिखाने पर हमला हुआ था



जयपुर। राजस्थान के जोधपुर में रविवार को कॉकरोच जनता पार्टी के कार्यक्रम में भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के कार्यकर्ता ने सीजेपी कार्यकर्ता को थपड़ मार दिया। इसके बाद सीजेपी और एबीवीपी के कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई। पुलिस ने एबीवीपी और भारतीय जनता युवा मोर्चा के 2 पदाधिकारियों समेत 11 लोगों को हिरासत में लिया है। कॉकरोच जनता पार्टी का कार्यक्रम जोधपुर के गांधी शांति प्रतिष्ठान में हो रहा था। डीसीपी ईस्ट मनीष कुमार चौधरी ने कहा- कुछ लोग सीजेपी के कार्यक्रम में चारदीवारी कूदकर आने की कोशिश कर रहे थे। इसके चलते कुछ लोगों को डिटैल किया है। मारपीट की सूचना आगयी तो आगे की कार्रवाई करेंगे। 2 दिन पहले 21 अगस्त को जयपुर में रामपुरा-कंवरपुरा गांव में सरकारी स्कूल के निरीक्षण के दौरान सीजेपी कार्यकर्ताओं पर हमला हुआ था। सीजेपी ने कार्रवाई के लिए 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया था। ग्रामीणों ने भी सीजेपी के खिलाफ एक्शन नहीं होने पर गिरफ्तारियां देने की चेतावनी दी थी। जयपुर की घटना के बाद शनिवार सुबह स्कूल को 50 मीटर दूर बिल्डिंग में शिफ्ट कर दिया गया था। सीजेपी की राजस्थान प्रवक्ता रेखा शर्मा ने कहा- 1 सितंबर से स्कूल का निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। सरकार यह काम पहले ही कर लेती तो हमें वहां जाने की जरूरत ही नहीं पड़ती।

लोसल पालिका चुनाव : कांग्रेस की हैट्रिक या भाजपा की होगी वापसी

नंदलाल गौड़

लोसल (नवयतन)। शहर की नई सरकार बनाने के लिए हो रहा निकाय चुनाव के लिए फिलहाल अभी पार्टियों में उम्मीदवारों का चयन की प्रक्रिया चल रही है लेकिन इसी बीच यहां शहर की सरकार किस पार्टी की बनेगी यहां पर मुख्य रूप से गांव गांव की चौपाल से लेकर शहर की गलियों में अच्छी खासी चर्चा का विषय बना हुआ है। कांग्रेस और भाजपा के बड़े नेता निकाय चुनाव लोसल में अपने-अपने जीत के दावे कर रहे हैं। इस बार इस चुनाव में क्या कांग्रेस की हैट्रिक लगेगी या भाजपा की दस साल बाद वापस वापसी होगी। नगरपालिका चुनाव में जीत की हैट्रिक लगाने के लिए जहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जोश भरकर शहर की सरकार बनाने का दावा कर रही है। यहां पर हुई कांग्रेस की बैठक में विधानसभा प्रभारी प्रीति मेघवाल, सुनिता गठाला ने दावा किया कि नगरपालिका में कांग्रेस की सरकार बनेगी और हैट्रिक लगाएगी। तो

भाजपा भी वापस वापसी के लिए एवं कांग्रेस की हैट्रिक बनाने से रोकने के लिए चुनावी दंगल में जीत के लिए पूरी तरह से जुटी हुई है। प्रदेश में भाजपा की सरकार तो है ही विधानसभा में भाजपा के विधायक गोरधन वर्मा हैं। यह दोनों कारण के अलावा वार्डों का नया सीमांकन तीन प्लस प्वाइंट भाजपा के पक्ष में कार्यकर्ताओं में जोश भर रहा है। विधायक के लोसल एवं धोद में भाजपा की सरकार बनाने की जिम्मेदारी कंधों पर है। विधायक गोरधन वर्मा धोद भ्रमर शहर की सरकार बनाने का दावा कर रही है। यहां पर हुई कांग्रेस की बैठक में विधानसभा प्रभारी प्रीति मेघवाल, सुनिता गठाला ने दावा किया कि नगरपालिका में कांग्रेस की सरकार बनेगी और हैट्रिक लगाएगी। तो



है पुराना खाका इस बार वार्डों का बदल गया है। लेकिन शहरी क्षेत्र में भाजपा को मजबूत पकड़ रखने का दबाव रहेगा। पिछले दो चुनाव में कांग्रेस को ही सफलता अर्जित हुई थी लेकिन लोगों के बीच यह चर्चा है कि इस बार नगरपालिका चुनाव का पूरा खाका बदल गया है। वार्डों की संख्या तो नहीं बढ़ी लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों को नगरपालिका में शामिल कर लिया जाने से चुनावी दंगल जोरदार टक्कर में बदल सकता है। नगरपालिका में अध्यक्ष पद सामान्य का आने के बाद मुकाबला दिलचस्प होता जा रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार दो तीन पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष एवं दो-तीन उपाध्यक्ष

नगरपालिका चुनाव के पार्षद का चुनाव लड़ने की जानकारी मिल रही है। जबकि अध्यक्ष पद की दावेदारी करने वालों की संख्या आधा दर्जन भर से अधिक है। अध्यक्ष की रस में रोज-रोज नए-नए नाम सामने आ रहे हैं क्योंकि नगरपालिका अध्यक्ष पद सामान्य वर्ग का है ऐसे में अध्यक्ष की रस निकाय चुनाव मुकाबला को दिलचस्प बना रहा है। कांग्रेस और भाजपा की बैठकों में अच्छी खासी संख्या नजर आती है। दोनों दलों में उम्मीदवार का चयन करना भी इतना आसान नजर नहीं आ रहा है। किसके सिर बंधेगा मुखिया का ताज मुख्य रूप से यह चर्चा सुर्खियों में बना हुआ है।

मुख्यमंत्री ने ली त्योहारी सीजन पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर समीक्षा बैठक जनसहभागिता और आमजन से प्रभावी समन्वय हो सुनिश्चित -मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा



जयपुर।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को आगामी त्योहारी सीजन को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को लेकर महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रदेश में सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था पर प्रभावी कार्ययोजना बनाकर काम किया जाए। यदि कहीं विवाद अथवा किसी अन्य घटना के कारण माहौल प्रभावित होता है, तो संबंधित पुलिस महानिरीक्षक एवं पुलिस अधीक्षक तत्काल पहुंचकर स्थिति को नियंत्रण में लें। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले दिनों में बाराबफात, रक्षाबंधन, जन्माष्टमी, गणेश चतुर्थी जैसे बड़े त्योहार एवं पर्व आ रहे हैं। ऐसे में, जनसहभागिता और आमजन के साथ प्रभावी समन्वय सुनिश्चित किया जाए, ताकि छोटी-बड़ी जानकारी समय पर प्राप्त कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। बैठक में पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा, अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) भास्कर ए. सावंत सहित अन्य उच्च अधिकारी उपस्थित रहे।

टाई की शर्मनाक तस्वीर : गंदे पानी में फंसी अंतिम यात्रा, शव को ट्रैक्टर-ट्रॉली में ले जाना पड़ा

श्मशान जाने वाले रास्ते पर 11 साल से भरा है गांव का गंद पानी, ग्रामीणों ने कलेक्टर और प्रभारी मंत्री तक लगाई गुहार

निस

बिसाऊ (नवयतन)। एक इंसान की जिंदगी का अंतिम सफर सम्मान के साथ पूरा हो, हर परिवार की यही इच्छा होती है। लेकिन टाई गांव में श्मशान घाट तक जाने वाला रास्ता पिछले करीब 11 साल से गांव के गंदे पानी की समस्या से जूझ रहा है। हालात ऐसे हैं कि ग्रामीणों को अब अंतिम शवयात्रा भी गंदे पानी और कौचड़ के बीच से निकालनी पड़ रही है। रविवार को टाई निवासी सोनिया पत्नी देवकरण स्वामी का असामयिक निधन हो गया। परिवार और ग्रामीण जब अंतिम संस्कार के लिए शव को मोक्षधाम ले जाने लगे तो श्मशान जाने वाला मुख्य रास्ता गंदे पानी से लबालब मिला। रास्ता अवरुद्ध होने के कारण शव को कंधे पर ले जाना संभव नहीं हुआ। मजबूरी में शव को ट्रैक्टर-ट्रॉली में रखकर गंदे पानी से होकर मोक्षधाम तक ले जाया गया। सोनू उपाध्याय, कृष्ण भार्गव, शंभू जोशी, वीरेंद्र तंवर, अक्षय स्वामी, प्रभु सैन, रणवीर हाड़ा, जुगल प्रजापत, श्रवण सेन, विनोद सैनी, राजेन्द्र, भक्त सिंह, सुरेश शर्मा, शिव कुमार जोशी, बजरंग थाबाई

सहित ग्रामीणों ने बताया कि समस्या के समाधान के लिए कलेक्टर और जिला प्रभारी मंत्री से कई बार गुहार लगाई जा चुकी है, लेकिन अभी तक स्थायी समाधान नहीं हुआ। ग्रामीणों ने प्रशासन से गंदे पानी की निकासी की व्यवस्था कर श्मशान जाने वाले रास्ते को जल्द दुरुस्त कराने की मांग की है।

घुटनों तक गंदे पानी से होकर गुजरे ग्रामीण

अंतिम यात्रा में शामिल ग्रामीणों को भी घुटनों तक भरे गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ा। ग्रामीणों का कहना है कि इस रास्ते से पहले भी कई शवयात्राएं ट्रैक्टर-ट्रॉली, जंटागाड़े और कंधे के सहारे निकाली जा चुकी हैं। गांव में आम लोगों की आवाजही भी इसी समस्या के कारण प्रभावित है।

नाला बनाया, लेकिन चौक होने से नहीं हुआ पानी का निकास

ग्रामीणों के अनुसार समस्या के समाधान के लिए पंचायत प्रशासन की ओर से नाला भी बनाया गया था, लेकिन नाला चौक होने के कारण गांव के गंदे पानी की निकासी नहीं हो पा रही है। पानी



आगे निकलने के बजाय श्मशान जाने वाले रास्ते पर ही जमा हो जाता है। लंबे समय से जमा पानी

में बदबू फैल रही है और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

चौधरी बने अखिल भारतीय उद्योग व्यापार सुरक्षा मंच के मुख्य जिला संरक्षक

निस

श्रीमाधोपुर (नवयतन)। अग्रवाल समाज समिति अध्यक्ष बाबूलाल चौधरी निवासी श्रीमाधोपुर को अखिल भारतीय उद्योग व्यापार सुरक्षा मंच का जिला मुख्य संरक्षक पद पर नियुक्त किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग एवं राष्ट्रीय महामंत्री सुरेन्द्र चौधरी ने नियुक्ति पत्र जारी किया। बाबूलाल चौधरी वर्तमान में अग्रवाल समाज समिति, श्रीमाधोपुर के अध्यक्ष पद पर कार्यरत हैं। समाजसेवा, व्यापारिक एवं सामाजिक क्षेत्रों में उनकी सक्रियता तथा व्यापारी हितों के प्रति उनके समर्पण को देखते हुए उन्हें संगठन में यह महत्वपूर्ण दायित्व दिया गया है। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार सुरक्षा मंच देश के छोटे मध्यम एवं बड़े व्यापारियों तथा कुटीर, लघु एवं मध्यम उद्यमियों का एक सशक्त राष्ट्रीय संगठन है, जो लगभग 30 करोड़ व्यापारियों के हितों की रक्षा, उनके अधिकारों की आवाज बुलंद करने तथा समय-समय पर व्यापारी हितों से जुड़े मुद्दों को सरकार एवं संबंधित विभागों के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाने के लिए निरंतर कार्यरत है। संगठन का उद्देश्य व्यापारियों को एकजुट कर उन्हें सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्त प्रतिनिधित्व प्रदान करना है। बाबूलाल चौधरी ने बताया कि अखिल भारतीय उद्योग व्यापार सुरक्षा मंच के निरंतर एवं अथक प्रयासों से हरियाणा प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान प्रदेश सहित केंद्र सरकार के स्तर पर भी व्यापारी कल्याण बोर्ड का गठन करवाया। राष्ट्रीय नेतृत्व ने उम्मीद जताई कि चौधरी संगठन की नीतियों के अनुरूप व्यापारी हितों की रक्षा, संगठन विस्तार और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। नियुक्ति पर स्थानीय व्यापारियों और क्षेत्रवासियों ने खुशी जताते हुए उन्हें बधाई दी।



नोखा नगरपालिका चुनावी विश्लेषण

दो दशक की सियासत, कांग्रेस की कमजोरी, भाजपा की गुटबाजी और विकास मंच के बढ़ते प्रभाव के बीच ओबीसी आरक्षण ने बदले समीकरण

श्रीराम तिवारी

नोखा (नवयत्न)। नगर पालिका चुनाव की आहट के साथ ही नोखा की सियासत एक बार फिर गमनी लगी है। वार्डों में संभावित उम्मीदवारों की सक्रियता बढ़ गई है, राजनीतिक दल और स्थानीय संगठन अपने-अपने समीकरण साधने में जुट गए हैं। इस बार का चुनाव इसलिए भी खास माना जा रहा है क्योंकि नगरपालिका अध्यक्ष का पद ओबीसी वर्ग के लिए आरक्षित किया गया है। ऐसे में अध्यक्ष पद के संभावित दावेदारों को लेकर राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं और ओबीसी वर्ग के कई चेहरे अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करने में जुटे हैं। नोखा नगरपालिका की पिछले करीब दो दशक की राजनीति पर नजर डालें तो यहां केवल कांग्रेस और भाजपा के बीच सीधा मुकाबला नहीं रहा, बल्कि स्थानीय नेतृत्व, व्यक्तिगत राजनीतिक प्रभाव और झंवर परिवार की भूमिका ने भी चुनावी परिणामों को प्रभावित किया है। 2010 के बाद झंवर समर्थित विकास मंच स्थानीय राजनीति की मजबूत ताकत के रूप में सामने आया।

2010 में विकास मंच का प्रयोग

2010 का चुनाव नोखा की राजनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। कन्हैयालाल झंवर के नेतृत्व में विकास मंच के चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़ा गया और मंजूदेवी पंचारिया नगरपालिका अध्यक्ष बनीं। इसके बाद नोखा में कांग्रेस और भाजपा के पारंपरिक मुकाबले के साथ-साथ झंवर समर्थित राजनीतिक धारा मजबूत होती चली गई।

2015 में विकास मंच का दबदबा

2015 में नगरपालिका में कुल 35 वार्ड



थे। चुनाव परिणाम में विकास मंच ने 19 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत हासिल किया। भाजपा को 10, निर्दलीयों को 5 और कांग्रेस को केवल 1 सीट मिली। इस चुनाव के बाद नारायण झंवर नगरपालिका अध्यक्ष बने। कांग्रेस का केवल एक वार्ड तक सिमट जाना पार्टी के लिए बड़ा राजनीतिक झटका माना गया।

2021 में कांग्रेस शून्य, विकास मंच फिर मजबूत

2021 में नगरपालिका के वार्डों की संख्या बढ़कर 45 हो गई। परिणाम में विकास मंच ने 28, भाजपा ने 15 और निर्दलीयों ने 2 सीटें जीती, जबकि कांग्रेस के खाते में कोई सीट नहीं आई। इस प्रकार 45 सदस्यीय नगरपालिका में विकास मंच को स्पष्ट बहुमत मिला और नारायण झंवर एक बार फिर नगरपालिका अध्यक्ष बने। अध्यक्ष पद के चुनाव में नारायण झंवर ने भाजपा के श्रीनिवास झंवर को हराया। इस परिणाम ने यह भी दिखाया कि नोखा की स्थानीय राजनीति में पारिवारिक और व्यक्तिगत राजनीतिक समीकरण कई बार दलगत समीकरणों पर भारी पड़ते हैं।

कांग्रेस के सामने वापसी की बड़ी चुनौती

पिछले दो नगरपालिका चुनाव कांग्रेस के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण रहे हैं। 2015 में कांग्रेस को सिर्फ एक वार्ड मिला था, जबकि 2021 में पार्टी शून्य पर रही। गौरतलब है कि 2021 में कांग्रेस ने अपने उम्मीदवार तक नहीं उतारे। अब कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपनी पुरानी राजनीतिक जमीन वापस हासिल करने की है। इस बार यदि कांग्रेस मजबूत उम्मीदवार मैदान में उतारती है और स्थानीय स्तर पर संगठन को सक्रिय करती है तो वह मुकाबले को प्रभावित कर सकती है।

चुनाव के समय ही सक्रिय होने की चर्चा

स्थानीय राजनीति में यह चर्चा भी होती रही है कि भाजपा के कई नेता नगरपालिका चुनाव के बाद आमजन के बीच उतने सक्रिय नजर नहीं आते, जितने चुनाव के समय दिखाई देते हैं। स्थानीय स्तर पर यह धारणा भी चर्चा का विषय रही है कि कुछ नेता चुनाव समाप्त होने के बाद राजनीतिक रूप से

दो दशक में बदलती रही नोखा की राजनीतिक तस्वीर

वर्ष 2000 के आसपास से नोखा नगरपालिका की राजनीति में स्थानीय नेताओं का प्रभाव महत्वपूर्ण रहा। उपलब्ध राजनीतिक रिकॉर्ड के अनुसार झंवर परिवार का नगरपालिका की राजनीति में लंबे समय से प्रभाव रहा है। कन्हैयालाल झंवर, श्रीनिवास झंवर और बाद में नारायण झंवर नगरपालिका की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं। 2005 में कन्हैयालाल झंवर नगरपालिका अध्यक्ष बने। इसके बाद 2009-10 के दौर में श्रीनिवास झंवर भी पालिका अध्यक्ष रहे। इस दौरान नगरपालिका की राजनीति में झंवर परिवार का प्रभाव लगातार बना रहा।

निष्क्रिय हो जाते हैं और पांच वर्ष बाद फिर नगरपालिका चुनाव की तैयारियों के साथ सक्रिय दिखाई देते हैं। हालांकि यह स्थानीय राजनीतिक चर्चाओं और लोगों की धारणा का हिस्सा है तथा इसे सभी भाजपा नेताओं पर लागू नहीं किया जा सकता। पार्टी के कई नेता लगातार संगठनात्मक और जनसंपर्क गतिविधियों में सक्रिय होने का दावा करते रहे हैं।

विकास मंच के लिए भाजपा की कमजोरी बन सकती है अवसर

नोखा में विकास मंच लंबे समय से स्थानीय राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है। पूर्व संसदीय सचिव कन्हैयालाल झंवर और निवर्तमान पालिका अध्यक्ष नारायण झंवर के नेतृत्व में विकास मंच ने पिछले वर्षों में अपना अलग राजनीतिक आधार तैयार किया है।

यदि भाजपा के भीतर गुटबाजी के कारण उसका मूल वोट बैंक विभाजित होता है तो उसका एक हिस्सा विकास मंच की ओर जाने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। यही कारण है कि इस बार विकास मंच की रणनीति में भाजपा के असंतुष्ट नेताओं और कार्यकर्ताओं की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो सकती है।

ओबीसी आरक्षण ने बदला पूरा चुनावी समीकरण

इस बार नगरपालिका अध्यक्ष का पद ओबीसी वर्ग के लिए आरक्षित होने से चुनाव की दिशा काफी हद तक बदल गई है। अब प्रमुख राजनीतिक दलों के साथ-साथ स्थानीय संगठनों को भी ऐसे ओबीसी चेहरे की तलाश है जिसकी अपने वार्ड के अलावा पूरे शहर में स्वीकार्यता हो। अध्यक्ष पद के आरक्षण ने कई नए राजनीतिक चेहरों के लिए भी अवसर पैदा किया है। यही कारण है कि संभावित दावेदार अभी से अपने सामाजिक और राजनीतिक संपर्कों को मजबूत करने में जुट गए हैं। इस बार चुनाव में पार्षद बनने की लड़ाई के साथ-साथ यह सवाल भी बेहद महत्वपूर्ण होगा कि कौन सा राजनीतिक दल या संगठन ओबीसी वर्ग के सबसे मजबूत चेहरे को अध्यक्ष पद की दौड़ में उतारता है।

इस बार भाजपा और विकास मंच के बीच सीधा मुकाबले के आसार

नोखा में इस बार मुकाबला बहुकोणीय रहने की संभावना है। भाजपा अपने संगठन और पार्टी के चुनाव चिह्न के सहारे मैदान में उतरेगी। विकास मंच स्थानीय नेतृत्व और अपने पुराने

भाजपा के सामने अपने ही वोट बैंक को एकजुट रखने की चुनौती

नोखा नगरपालिका चुनाव में भाजपा के सामने इस बार सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक पार्टी के भीतर की गुटबाजी और अलग-अलग राजनीतिक धड़ों के बीच खींचतान भी मानी जा रही है। स्थानीय राजनीतिक चर्चाओं के अनुसार पिछले कई चुनावों में भाजपा की अंदरूनी खींचतान का असर उसके शहरी वोट बैंक पर पड़ा है। पार्टी के अलग-अलग धड़ों में बंटे होने के कारण भाजपा का मूल वोट कई बार विभाजित होता रहा है और इसका लाभ विकास मंच को मिलता रहा है। हाल के दिनों में भी नोखा भाजपा में नेताओं और गुटों के बीच आपसी खिंचाव की चर्चाएं राजनीतिक गलियारों में सुनाई दे रही हैं। ऐसे में भाजपा के सामने चुनाव से पहले अपने सभी धड़ों को एक मंच पर लाने और कार्यकर्ताओं को एकजुट करने की चुनौती है।

राजनीतिक नेटवर्क के आधार पर मुकाबले में रहेगा। कांग्रेस के सामने पिछले चुनावों की कमजोरी से बाहर निकलने और अपने संगठन को पुनर्जीवित करने की चुनौती होगी। इसके अलावा कई वार्डों में निर्दलीय उम्मीदवार भी समीकरण बिगाड़ सकते हैं।

उम्मीदवारों की व्यक्तिगत छवि होगी महत्वपूर्ण

नोखा की राजनीति को देखते हुए इस बार केवल पार्टी का चुनाव चिह्न ही चुनाव परिणाम तय करेगा, ऐसा कहना मुश्किल है। उम्मीदवार की व्यक्तिगत छवि, वार्ड में पकड़, सामाजिक समीकरण, जनसंपर्क और स्थानीय मुद्दे भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। विशेष रूप से अध्यक्ष पद ओबीसी के लिए आरक्षित होने के कारण ओबीसी मतदाताओं के बीच उम्मीदवारों की स्वीकार्यता और विभिन्न सामाजिक समूहों में उनकी पकड़ चुनाव का महत्वपूर्ण फैक्टर बन सकती है।

2026 में किसके हथ आएंगी नगरपालिका की कमान ?

2015 और 2021 के चुनाव परिणाम

बताते हैं कि झंवर समर्थित राजनीतिक धारा ने नगरपालिका में मजबूत प्रदर्शन किया है। दूसरी ओर भाजपा लगातार प्रमुख प्रतिद्वंद्वी के रूप में मौजूद रही है, जबकि कांग्रेस पिछले चुनावों में बेहद कमजोर रही लेकिन इस बार परिस्थितियां अलग हैं। अध्यक्ष पद ओबीसी के लिए आरक्षित है, भाजपा के भीतर गुटीय समीकरण चर्चा में हैं और विकास मंच अपने पुराने राजनीतिक आधार के साथ चुनावी मैदान में है। ऐसे में इस चुनाव में सबसे बड़ा सवाल यही रहेगा कि क्या भाजपा अपने सभी गुटों को एकजुट करके अपना मूल वोट बैंक बचा पाएगी, क्या विकास मंच भाजपा के बिखरे वोटों का फायदा उठाकर अपना आधार और मजबूत करेगा और क्या कांग्रेस पिछली दो हार के बाद नगरपालिका में वापसी कर पाएगी? नोखा की जनता का जनादेश ही इन सभी सवालों का जवाब देगा। फिलहाल इतना तय है कि ओबीसी आरक्षण ने नगरपालिका अध्यक्ष की कुर्सी को लड़ाई को और दिलचस्प बना दिया है और आने वाले दिनों में दावेदारों के नाम सामने आने के साथ नोखा की चुनावी तस्वीर और साफ होती जाएगी।

दीपक कौशिक को बनाया प्रदेश सचिव

अमित प्रजापत

सुजानगढ़ (नवयत्न)। सुजानगढ़ के दीपक कौशिक को विप्र फाउंडेशन युवा प्रकोष्ठ का प्रदेश सचिव बनाया गया है। जून 1बी विप्र फाउंडेशन युवा प्रकोष्ठ प्रभारी मुकेश रामपुरा के आदेशानुसार युवा प्रकोष्ठ प्रदेश प्रभारी सुनील मिश्र की अशुशंसा से व युवा प्रदेश अध्यक्ष दीपक शर्मा, युवा प्रदेश संगठन महामंत्री भरत शर्मा के अनुमोदन पर प्रदेश महामंत्री पंकज पीपलवा ने प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा की। इस नियुक्ति पर दीनदयाल पारीक, राजेन्द्र पथानिया, दामोदर शर्मा लोहसर, गौरव इंदौरिया, पुरुषोत्तम शर्मा, अशोक तिवारी, विश्व दीपक काछवाल, पीयूष पारीक, हरीश मिश्रा, नरेश शर्मा आदि ने खुशी जाहिर की है।



ई-मित्र संचालक से मारपीट के 4 आरोपी गिरफ्तार

निर्स

तारानगर (नवयत्न)। गत दिनों तारानगर में ई-मित्र संचालक सीताराम प्रजापत के साथ हुई मारपीट के मामले में तारानगर पुलिस ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। शानाधिकारी पुष्पेंद्र सिंह ने बताया कि 11 अगस्त को गोपालराम ने रिपोर्ट दी कि उसका भाई सीताराम 10 अगस्त की रात दुकान बंद कर घर जा रहा था। रीको एरिया में बीएसएनएल टावर के पास 3 युवकों ने उसकी बाइक रोककर आंखों में मिर्च पाउडर फेंका, डंडो से हमला किया, मोबाइल तोड़ा और 1800 रुपये लूट लिए। डीएसपी रोहित सांखला के सुपरविजन में टीम गठित की गयी एवं सीसीटीवी फुटेज, डम्प डाटा व सीडीआर से आरोपियों की पहचान की गयी। साबिशकर्ता वन रक्षक सुनील कुमार सहित मारपीट करने वाले अन्य तीन आरोपी रामलाल, कुलदीप उर्फ छंगा, नसीब उर्फ धारे को बापदा गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर जेल भेजा गया था जिसको बाद मे परिवारी से जेल में शिनाखा करवाई एवं तीनों आरोपियों को कोर्ट के पीसी रिमांड हासिल कर उक्त घटना में काम ली गई मोटरसाइकल और बुलेरो कार को जब्त किया गया तथा अनुसंधान के बाद सभी आरोपीगणों को जेल भिजवाया जा चुका है। सीआई पुष्पेंद्र सिंह ने आगे बताया कि वन विभाग में मनरगा कार्यों में भ्रष्टाचार की शिकायत को लेकर ई-मित्र संचालक पर हमला करवाया गया था। उक्त कार्यवाही में एएसआई सुमेरसिंह मीणा, कडवाक कांस्टेबल आमप्रकाश हुड्डा, मनोज कुमार, बलवान व अमित की विशेष भूमिका रही।

दीपाराम वर्मा होंगे राज्य स्तरीय शिक्षक गौरव सम्मान 2026 से सम्मानित

निर्स

कांवट (नवयत्न)। दूधवालों का बास खण्डेला निवासी सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य दीपा राम वर्मा का शिक्षा एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में दिये गए उल्लेखनीय योगदान एवं समर्पण के लिए राज्य स्तरीय शिक्षक गौरव सम्मान 2026 हेतु चयन हुआ। वर्मा को मानव जन जागृति संस्थान जयपुर द्वारा 6 सितंबर 2026 को चोर्मू के निजी होटल में आयोजित होने वाले द्वितीय राज्य स्तरीय शिक्षक गौरव सम्मान समारोह में स्मृति चिह्न, प्रमाण - पत्र, शॉल एवं श्रीफल प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। संस्थान के प्रदेशाध्यक्ष सौंदगर कादिला ने बताया कि निर्धारित अवधि में शिक्षक गौरव सम्मान हेतु राज्य भर से प्राप्त 491 आवेदनों में से शिक्षा एवं सामाजिक सरोकार के क्षेत्र में श्रेष्ठतम योगदान देने वाले 50 शिक्षक-शिक्षिकाओं का राज्य स्तरीय शिक्षक गौरव सम्मान 2026 हेतु चयन किया है। दीपाराम वर्मा के शिक्षक गौरव सम्मान हेतु चयन पर क्षेत्रवासियों ने प्रसन्नता व्यक्त कर खुशी व्यक्त की।



परम्परा में देश के ख्यातनाम कलाकारों ने दी कथक नृत्य की प्रस्तुतियां

अमित प्रजापत

सुजानगढ़ (नवयत्न)। तहसील के गांव बडावर के प्रख्यात कथक नृत्याचार्य पंडित सुंदरलाल गंगानी की स्मृति में उनके दौहित्र, तबला वादक व कथक गुरु कौशल लाल के द्वारा दिल्ली के चिन्मया मिशन ऑडिटोरियम में शनिवार रात्रि परंपरा नामक सांगीतिक आयोजन में देश के ख्यातनाम कलाकारों द्वारा कथक नृत्य सहित गायन व वादन की अभिनव प्रस्तुतियां देकर संगीत रसिकों को आनंदित कर दिया। भरत नाट्यम नृत्यांगना पद्मश्री प्रतिभा प्रहलाद, कथक विधा की दिग्गज कलाकार मंजूश्री चटर्जी, द यंग्स क्लब ऑफ सुजानगढ़ के सांस्कृतिक सचिव गिरधर शर्मा, रेलवे जज अर्चना श्रीवास्तव, महिंद्रा एंड महिंद्रा के वास्तु प्रेसिडेंट वेंकट कृष्णन के आतिथ्य में आयोजित हुए इस सांगीतिक अनुष्ठान का शुभारंभ कथक कलाकार सोनल कपूर



सिन्हा व अस्मिता मोर द्वारा तीन ताल में पारंपरिक कथक नृत्य व द्रुत लय में कवित, तोड़े व तिहाई की प्रस्तुति के साथ हुआ। इस युगल प्रस्तुति में पद्मत्त पर कौशल लाल, तबला पर प्रणव चौहान, पद्मावज पर आशीष गंगानी, सारंगी पर शाह नवाज अली व हारमोनियम पर अयान खान ने संगत की। अगली प्रस्तुति में मुंबई की प्रख्यात हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायिका (विदुषी) गौरी पठारे ने

अपनी परिपक्व गायकी में उपशान्त्रीय संगीत की स्वर लहरियां गुंजायमान करते हुए ठुमरी केसरिया बालम पधारो म्हेरे देश लोकागीत के साथ कार्यक्रम को ऊंचायां दी। इनके साथ तबला पर पं मिथिलेश कुमार झा, हारमोनियम पर ललित सिसौदिया ने संगत की। इसी कड़ी में तीन बाल कलाकारों मिशिका चौधरी, लक्ष्य मेहरा व शिवराज भूषण द्वारा एक साथ तबला वादन प्रस्तुत

तापड़िया को चेयरपर्सन विजन की मिली जिम्मेदारी

अमित प्रजापत

सुजानगढ़ (नवयत्न)। लायंस क्लब सुजानगढ़ के चार्टर प्रेसिडेंट एवं निवर्तमान जोन चेयरपर्सन एमजेएफ लायन कमल तापड़िया को लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233ई-1 में डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन विजन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनकी इस नियुक्ति पर लायंस क्लब सुजानगढ़ सहित क्षेत्र के लायंस सदस्यों एवं सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी। लायन कमल तापड़िया लंबे समय से लायंस इंटरनेशनल के माध्यम से सेवा गतिविधियों से जुड़े हुए हैं। वे

अर्पिता वशिष्ठ डिस्ट्रिक्ट ट्रेजरर तथा लायन आशीष अरोड़ा डिस्ट्रिक्ट पीआरओ के रूप में कार्य करेंगे। एम जे एड लायन कमल तापड़िया ने नई जिम्मेदारी मिलने पर डिस्ट्रिक्ट नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे लायंस इंटरनेशनल के सेवाएं नेतृत्व और मानवता के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि संगठन में मिली प्रत्येक जिम्मेदारी उनके लिए सेवा का अवसर है और सभी लायन सदस्यों के सहयोग से बेहतर एवं प्रभावी सेवा कार्यों को आगे बढ़ाने का प्रयास रहेगा। उनकी इस उपलब्धि पर लायंस क्लब सुजानगढ़ के सदस्यों एवं विभिन्न सामाजिक संस्थाओं की प्रतिनिधियों ने शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।



नमक चमक गंगाजल से सहस्त्रधारा अभिषेक व सफेद तिल से सहस्त्रार्चन कर मांगी मन्नतें

श्रीराम तिवारी

नोखा (नवयत्न)। यहां तहसील परिसर स्थित अर्केश्वर महादेव मंदिर में रविवार को श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ नमक चमक गंगाजल से सहस्त्रधारा अभिषेक व सफेद तिल से सहस्त्रार्चन किया गया। इस अवसर पर भगवान महादेव की विभिन्न प्रकार के द्रव्यों और विभिन्न प्रकार की सामग्रियों से विशेष पूजा अर्चना विधिवत मंत्रोच्चार के साथ कर घर परिवार एवं क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की। मंदिर व्यवस्थापक लालचन्द उपाध्याय और पूजा पाठी विद्वान पंडित बलराम कठालता व मधुसुदन कठालता के सान्निध्य एवं अर्केश्वर महादेव परिवार टीम



के दिनेशसिंह राजपुरोहित की अगुवाई में हो रहे श्रावण मास में धार्मिक आयोजनों में बड़ी

निःशुल्क त्वचा रोग जांच एवं परामर्श शिविर आयोजित

नवयत्न वर्मा

रतनगढ़ (नवयत्न)। मदरसा तेलियान में निःशुल्क त्वचा रोग जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन आल मुस्लिम वेलफेयर सोसाइटी के द्वारा कमला ड्रास के सौजन्य से किया गया। चर्म रोग विशेषज्ञ डॉक्टर प्रवीण झासिड्डिया ने रोगियों की जांच कर आवश्यक परामर्श दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व लेखाधिकारी सफी



मोहम्मद ने की एवं मुख्य अतिथि सीबीइओ सदीप व्यास थे। इस अवसर पर शिक्षाविद् मोहम्मद

अनवर कुरैशी, कुलदीप व्यास, आल मुस्लिम सोसाइटी के अध्यक्ष अब्दुल सत्तार तंवर, सचिव कासम

अली निर्बाण, जाफर अली, निजामुद्दीन, असलम, पूर्ण मल दानादिया, गुलाबचंद दर्जी, प्रेम प्रकाश आत्रेय व जावेद आदि उपस्थित थे। शिविर के माध्यम से चर्म रोग से ग्रसित 41 रोगियों को विशेषज्ञ चिकित्सक की सेवा का लाभ प्राप्त हुआ। नवीन व्यास ने शिविर की समुचित व्यवस्था के लिए आल मुस्लिम वेलफेयर सोसाइटी के पदाधिकारियों का आभार प्रकट किया।



निर्स

खेतड़ी नगर (नवयत्न)। केसीसी के सुभाष मार्केट स्थित जैन मंदिर में रविवार को संत निरंकारी मिशन शाखा कॉपर के तत्वावधान में छठे वन नैस वन अभियान के तहत पौधरोपण एवं स्वच्छता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि गोठड़ा प्रशासक सरती देवी के सान्निध्य में पौधरोपण कर अभियान का शुभारंभ किया। घनश्याम दास ने बताया कि वन नैस वन के छठे चरण में हरित विश्व की ओर एक साथ कदम अभियान के अंतर्गत जैन मंदिर परिसर में पौधरोपण कर पूर्व में लगाए गए पौधों के आसपास सफाई कर खाद व दवाई डाली गई। उन्होंने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य वृक्षारोपण करना ही नहीं प्रकृति के साथ आत्मीय संबंध को पुनर्जीवित, पर्यावरण संरक्षण को जीवन मुल्य के रूप में स्थापित एवं आने वाली पीढ़ियों के लिए हरित स्वच्छ एवं संतुलित पृथ्वी का निर्माण करना है। सेवादल संचालक कृष्ण कुमार के नेतृत्व में वेद प्रकाश, इंद्राज, अनिल, प्रहलाद पटेल, डोडाराम, निरंजनलाल, राजेंद्र कुमार, प्रभुदयाल, अशोक, महेश, इशांत, कविता, अनीता, सुनीता, भंवरी, गायत्री, भारती, परमेश्वरी, शकुंतला, नव्या आदि ने जैन मंदिर परिसर में सफाई की एवं पौधरोपण कर सार संभाल की जिम्मेदारी ली।



सम्पादकीय

मिठास की खटास

हाल के दिनों में बाजारों में चीनी की कीमतों में अप्रत्याशित उछाल देखा गया है। वहीं चीनी की कालाबाजारी की आशंका के मद्देनजर सरकार ने इसकी बिक्री का नियमन भी किया है। साथ ही सरकार ने बिना टैक्स दस लाख टन कच्ची चीनी के आयात की इजाजत देने का भी फैसला किया है। लेकिन सरकार का यह फैसला शायद ही बढ़ती कीमतों का जवाब हो। निस्संदेह, यह परिदृश्य सरकार के लिये उसकी महत्वाकांक्षी इथेनॉल नीति की असलियत को समझने का एक अवसर भी है। पूरे देश में इथेनॉल मिश्रित ई-20 पेट्रोल की बिक्री व्यवस्था लागू करने का जश्न मनाते के दो साल से भी कम समय में सरकार अब दो परस्पर विरोधी जरूरतों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रही है। पहला, देश की विदेशी मुद्रा बचाने के लिये कच्चे तेल के आयात को कम करना और दूसरा उपभोक्ताओं के लिये सस्ती चीनी उपलब्ध कराना। निस्संदेह, यह घटनाक्रम एक नीतिगत दुविधा को तो दर्शाता है कि जब एक ही फसल का इस्तेमाल खाद्य पदार्थ और ईंधन, दोनों के लिये किया जाता है, तो किसी एक लक्ष्य को दूसरे से अलग रखकर पूरा नहीं किया जा सकता है। निस्संदेह, ऐसे वक्त में जब खाड़ी संकट के चलते पूरी दुनिया में पेट्रोलियम पदार्थों का संकट व्याप्त रहा, इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल ने देश के नागरिकों व सरकार को बड़ी राहत दी है। इसमें दो राय नहीं कि निर्धारित समय सीमा से पहले ही बीस फीसदी इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल का लक्ष्य हासिल करके, भारत ने आयातित कच्चे तेल पर अपनी निर्भरता को कुछ कम जरूर किया है। वहीं दूसरी ओर सरकार की इस अभिनव पहल से जहां एक ओर चीनी मिलों को सहारा मिला है, वहीं गन्ना किसानों के लिये कमाई का एक अतिरिक्त जरिया भी बना है। निश्चित रूप से उस देश के लिये यह एक उपलब्धि ही कही जा सकती है जो अपनी जरूरतों के लिये 85 फीसदी कच्चे तेल का आयात करता रहा है। वह भी अपने देश में उपलब्ध वैकल्पिक संसाधनों के जरिये।

इसके बावजूद राजग सरकार की इस रचनात्मक पहल की कुछ बुनियादी खामियां भी हमारे सामने उजागर हुई हैं। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि गन्ना भारत में सबसे ज्यादा पानी की खपत करने वाली फसलों में से एक है। वहीं दूसरी ओर इथेनॉल के उत्पादन के लिये गन्ने का इस्तेमाल ऐसे समय में शुरू हुआ है जब देश के प्रमुख गन्ना उत्पादक राज्यों में शुमार महाराष्ट्र और कर्नाटक में पैदावार खराब मौसम और गन्ने की फसल पर लगी बीमारियों के चलते कमजोर रही है। यह भी एक वजह है कि गन्ना आपूर्ति में आई कमी के चलते भी हाल के दिनों में चीनी की कीमतों में तेजी देखी गई है। जिसके चलते सरकार को चीनी का निर्यात रोकना पड़ा है। इतना ही नहीं, सरकार को आसन्न त्योहारी मौसम को देखते हुए अब कच्ची चीनी के आयात को अनुमति देनी पड़ी है। निस्संदेह, इन परिस्थितियों के मद्देनजर यह नहीं कहा जा सकता कि देश में इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल का प्रयोग विफल हो गया है। बल्कि यह समझने की जरूरत है कि देश की कृषि संबंधी वास्तविकताओं और दुनिया की सबसे बड़ी आबादी की खाद्य जरूरतों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। आज जरूरत इस बात की है कि देश में एक लचीली जैव ईंधन रणनीति को तार्किक बनाया जाए। जिसे फसलों की स्थितियों और घरेलू खाद्य जरूरतों के अनुरूप ढाला जा सके। निस्संदेह, फसलों के अवशेष और कृषि अपशिष्ट से निर्मित होने वाले इथेनॉल में अधिक निवेश करने से ही गन्ने पर निर्भरता को कम किया जा सकता है। इसके साथ ही जलवायु लक्ष्यों को भी बढ़ावा दिया जा सकेगा। भारत द्वारा ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोत के लक्ष्य के रूप में कामयाबी एक सराहनीय उपलब्धि कही जा सकती है।

एक साथ खाएं अश्वगंधा और विदारीकंद पुरुषों को मिलेंगे यह अनोखे फायदे

पुराने जमाने में लोग हेल्दी और फिट रहने के लिए तमाम तरह की आयुर्वेदिक औषधियों का सेवन करते थे। आयुर्वेदिक औषधियों के शक्तिशाली गुण शरीर को हेल्दी रखने से लेकर बीमारियों के खतरे को कम करने में बहुत फायदेमंद होते हैं। अश्वगंधा और विदारीकंद भी बहुत ही शक्तिशाली जड़ी-बूटी हैं। इनका सेवन करने से शरीर की कई गंभीर परेशानियों से छुटकारा पाने में मदद मिलती है। अश्वगंधा में मौजूद गुण शरीर को शारीरिक रूप से ही नहीं बल्कि मानसिक रूप से भी

हेल्दी रखने में मदद करते हैं। वहीं विदारीकंद सदी-खासी, जुकाम और बुखार समेत कई गंभीर इन्फेक्शन से छुटकारा पाने के लिए फायदेमंद औषधि मानी जाती है। पुरुषों के लिए अश्वगंधा और विदारीकंद का सेवन रामबाण होता है। अश्वगंधा और विदारीकंद दोनों ही बारहमासी जड़ी-बूटियां हैं, जिनका इस्तेमाल शरीर की कई गंभीर समस्याओं और बीमारियों के इलाज में पुराने समय से ही किया जा रहा है। पुरुषों की कई गंभीर परेशानियों में अश्वगंधा और विदारीकंद फायदेमंद होते हैं।



स्पर्म काउंट बढ़ाने में फायदेमंद

खानपान में गड़बड़ी और खराब जीवनशैली के चलते पुरुष लो स्पर्म काउंट की परेशानी का शिकार हो जाते हैं। अश्वगंधा और विदारीकंद का एक साथ सेवन करने से लो स्पर्म काउंट की समस्या दूर होती है। इसका नियमित रूप से सेवन करने से स्पर्म काउंट तेजी से बढ़ता है।

इनफर्टिलिटी में फायदेमंद

लो स्पर्म काउंट कई ऐसी समस्याएं हैं, जिनकी वजह से पुरुष इनफर्टिलिटी यानी बांझपन की समस्या का शिकार होते हैं। बांझपन या इनफर्टिलिटी से छुटकारा पाने के लिए रोजाना डॉक्टर की सलाह के आधार पर अश्वगंधा और विदारीकंद का सेवन करना चाहिए।

शोष्रपतन से छुटकारा

शोष्रपतन पुरुषों में होने वाली आम यौन समस्या है। इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए अश्वगंधा और विदारीकंद के चूर्ण को घी के साथ खाने से बहुत फायदा मिलता है। आप नियमित रूप से इसका सेवन कर शोष्रपतन से छुटकारा पा सकते हैं।

टेस्टोस्टेरॉन हॉर्मोन बढ़ाए

टेस्टोस्टेरॉन हॉर्मोन की कमी के कारण पुरुषों को सेक्सुअल लाइफ से जुड़ी परेशानियों के अलावा कई अन्य समस्याएं हो सकती हैं। टेस्टोस्टेरॉन हॉर्मोन बढ़ाने के लिए अश्वगंधा और विदारीकंद का एक साथ सेवन बहुत फायदेमंद होता है।

इरेक्टाइल डिसफंक्शन ठीक करने में फायदेमंद

इरेक्टाइल डिसफंक्शन की समस्या ठीक करने में अश्वगंधा और विदारीकंद का सेवन बहुत फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद गुण कॉर्टिसोल को ठीक करने में मदद करते हैं।

विशेष आलेख

भीड़तंत्र का पर्याय न बने लोकतंत्र



दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच छात्र-युवाओं के धरने पर जिन दलों, नेताओं, बड़े लोगों ने खुल कर या चुपचाप समर्थन-सहयोग दिया था, वे रांची के मुंडा स्ट्रेडियम में नदारद रहे। अथवा कहें कि एक जगह पीठ पर एक तरह के दल थे, तो दूसरी जगह दूसरे खेमे के। जबकि दोनों स्थानों पर मुद्दा शैक्षिक परीक्षाओं में गड़बड़ी के विरुद्ध था। यह तुलनात्मक दृश्य क्या दिखाता है?

यही कि युवा शक्ति अथवा आज के मुहावरे में जेन-जी के बारे में एकतरफा बातों को विवेक पर तौलना बेहतर है। हर युग में युवाओं में अधिक ऊर्जा, आदर्श और न्यायप्रियता रहती है। इसलिए कभी-कभी बार-बार होती गड़बड़ी या अनुचित परिघटना पर उन्में उद्बलन युवा आंदोलन का रूप लेता है। प्रायः ऐसा तभी होता है, जब स्थापित राजनीतिक दल में अच्छे नेताओं का अभाव हो। तब कोई घटना अनायास किन्हीं युवाओं को परिदृश्य में ला देती है। जैसा हाल में मुख्य न्यायाधीश द्वारा एक विशेष संदर्भ में काकरोच कह देने से हुआ। यदि देश के कोई नेता वैसी संज्ञा का प्रतिवाद करते, तो संभवतः काकरोच जनता पार्टी जैसी व्यंग्यात्मक प्रतिक्रिया को वैसा अप्रत्याशित समर्थन नहीं मिलता। इस तरह देखा जाए तो काकरोच आंदोलन का उद्भव हमारे राजनीतिक दलों की सामूहिक उदासीनता का भी परिणाम था।

राष्ट्रीय राजनीति में जनता पार्टी से लेकर आम में आसू और आम आदमी पार्टी के उदाहरणों में देखा गया कि छात्र-युवा अंततः पेशेवर नेताओं द्वारा ही मुख्य रूप से इस्तेमाल होते हैं। काम निकल जाने और सत्ता पा लेने के बाद नेता बड़े-बड़े बौद्धिकों, विधिवेत्ताओं आदि को दूध में पड़ी मक्खी की तरह निकाल फेंक देते हैं। इसलिए राजनीति में दूरदृष्टि, दृढ़ता और विवेकशीलता का स्थायी महत्व है।

किसी भी आंदोलन में यदि प्रभावी नेता विवेकशील न हों तो उसके गलत दिशा में जाने की भरी-पूरी आशंका रहती है। हालांकि दृढ़ता, समर्पण, संसाधन-कुशलता आदि गुण किसी मतांध, कट्टरपंथी में भी हो सकते हैं। अतः भीड़ देखकर उत्साहित होने में सावधानी रखनी

चाहिए, क्योंकि वह विचारहीन होती है।

उसे सदैव कोई और इस्तेमाल करता है। एक बार भीड़ में कोई उलटी-सीधी बात भर दी जाए तो वह अपने बीच के व्यक्तियों को भी नियंत्रण में ले लेती है। यह अधिकांश भीड़ आंदोलनों में देखा गया है। जेपी आंदोलन से लेकर काकरोच पार्टी के संसद मार्च तक यही हुआ है।

कुल मिलाकर मामला न सीधा है और न एकतरफा। यही राजनीति की जटिलता है। इसमें जितना सामने रहता है, उससे अधिक छिपा रहता है। उन छिपी बातों, उद्देश्यों में अधिकांश अनुपयुक्त होती हैं। इसीलिए छिपाई जाती है, लेकिन भोले छात्र युवा ही नहीं, आम लोग भी उससे अनजान रहते हैं। इसीलिए लोकतंत्र में विशेषतः लोगों को लुभाने, भड़काने, बड़ी-बड़ी बातें करने, सपने दिखाने का प्रचलन है। किसी भी तरह अधिक लोगों को अपनी ओर खींचना ही आम नेताओं का उद्देश्य होता है। यह काम भीड़ की मानसिकता को उकसा कर अधिक सरलता से होता है।

इसीलिए नेताओं की बिरादरी भीड़ की चापलूसी करती है। बात-बात में जनता का गुणगान उसका सबसे सामान्य रूप है। जबकि कहीं भी जनता कोई नीति नहीं बनाती। उसके नाम पर अच्छे या बुरे नेता ही यह करते हैं। यह अकाट्य तथ्य है कि कोई भी भीड़ प्रेरित आंदोलन अपने घोषित आदर्श वाला लक्ष्य नहीं प्राप्त करता। उसके बल से केवल सत्ता में उलटफेर होता है।

नई सत्ता अच्छी नीति बनाए या पहले से भी बुरा हाल कर दे, यह मात्र नए नेताओं के विवेक और योग्यता पर निर्भर रहता है। यह रझान पचास वर्षों के भारतीय अनुभव से प्रमाणित है। जेपी का छात्र आंदोलन और आल असम छात्र यूनियन आदि ने अंततः सत्ता में उलटफेर तो किया, किंतु उनके घोषित लक्ष्य भ्रष्टाचार का खत्म या विदेशी घुसपैठ रोकना आकाश-कुसुम ही रहे। इतना ही नहीं, स्थिति पहले से और बुरी होती गई।

केवल भीड़, नारे और आवेश से आशा रखना फिजूल है। राजनीति में शार्टकट से कोई नीतिगत उपलब्धि असंभव है। नेताओं, दलों के बदले मुद्दों पर

शांतिपूर्वक विचार करने पर ही वैसी उपलब्धि का मार्ग मिल सकता है। हालांकि वह धैर्य और सामाजिक चेतना की मांग करता है, जबकि पेशेवर नेता अपनी दलीय चेतना से लाभ की फिराक में रहते हैं। अतः आकस्मिक आंदोलनों में भी वे खुले-छिपे मौका तलाशते हैं कि उसका अपने स्वार्थ में उपयोग करें। यही कारण है कि बड़े-बड़े आंदोलन भी अपना घोषित लक्ष्य पाने में विफल रहते हैं। उसकी शुरुआत किसी उचित समस्या से तो होती है, परंतु उसका वैज्ञानिक समाधान केवल सामाजिक भावना से मिल सकता है, जबकि दलीय प्रतिद्वंद्विता उसे अनिवार्यतः इधर या उधर खींचती है। तदनु रूप समस्या पर समुचित विचार और सही समाधान पर सहमति बनाने के बदले दलीय धड़ों द्वारा एक-दूसरे को गिराने की प्रवृत्ति ऊपर हो जाती है। लोगों को लपफाजी से आसान रास्ता दिखाया जाता है।

इस तरह सत्ता परिवर्तन तो हो जाता है, लेकिन समस्या यथावत बनी रहती है। किसी भी आंदोलन में नारों से शायद ही कुछ तय होता है। उल्टे भीड़ को शांति देना, उसके समक्ष झुकना एक तरह से बड़े संकट की न्योता देने जैसा हो सकता है। जनता के नाम पर मुट्ठी भर शांतिर लोग आम लोगों का इस्तेमाल करते हैं।

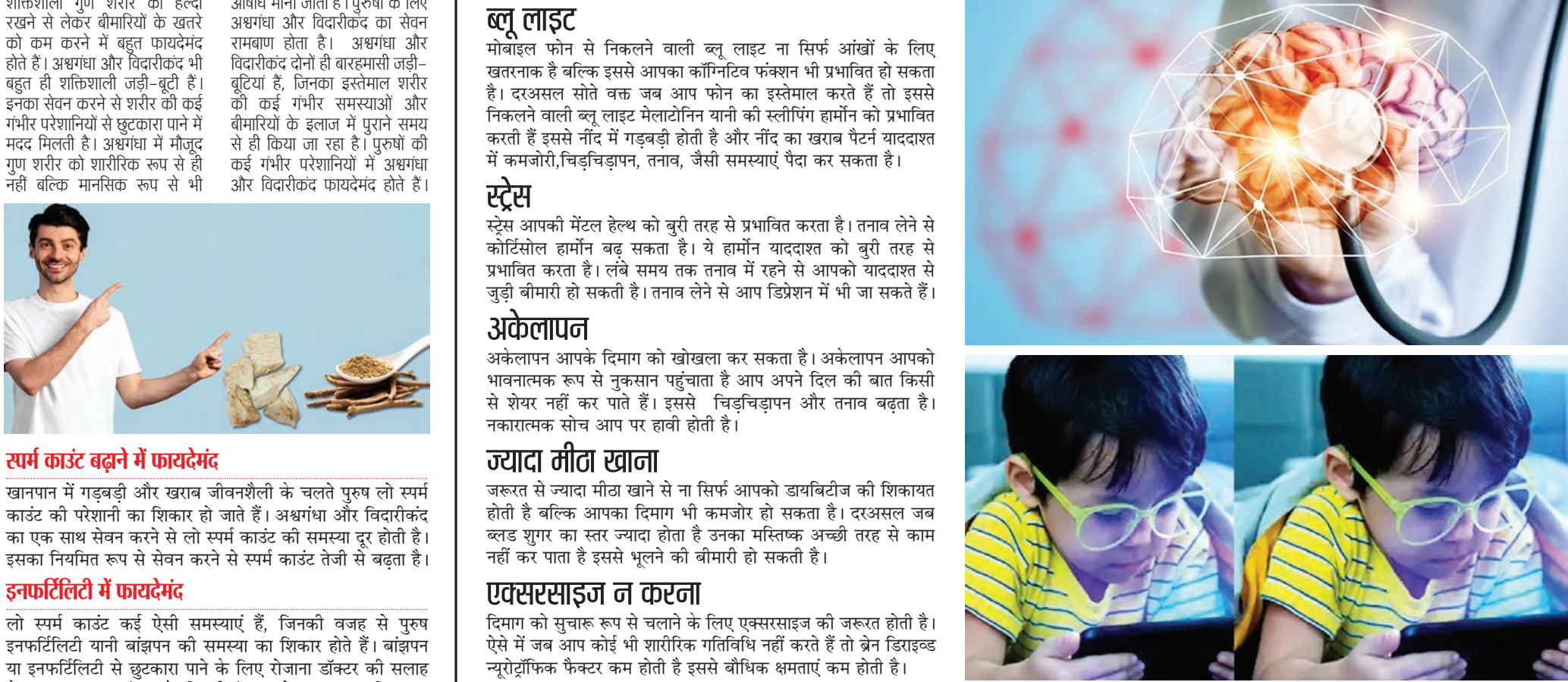
किसी भी आंदोलन की सरसरी चापलूसी या आदतन भर्त्सना अनुपयुक्त है। राजनीति में सब कुछ निर्णयकारी व्यक्तियों पर निर्भर होता है। यदि निर्णायक स्थान पर विवेकशील और कटिबद्ध व्यक्ति हों तभी सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं। अन्यथा तमाम हंगामे और उथल-पुथल के बाद भी हालात वही ढाक के तीन पात वाले रहते हैं। यही राजनीति के प्रति सदियों से महान ज्ञानियों की सीख है।

यही दुनिया भर के आधुनिक अनुभव भी हैं। इसलिए हमें भीड़तंत्र और लोकतंत्र की बारीक रेखा का सदैव ध्यान रखना होगा। राष्ट्रजीवन के किसी भी अन्य क्षेत्र की तुलना में लोकहित की राजनीति कहीं अधिक पात्रता एवं विशेषज्ञता की मांग करती है। इसकी जितनी उपेक्षा होती है, उस हद तक समाज की हानि होती रहती है।

स्वास्थ्य समाचार

यह आदतें दिमाग को अंदर से कर देती हैं खोखला

सही तरीके से जिंदगी गुजारने के लिए ब्रेन का फिट रहना जरूरी है। क्योंकि यही वो पार्ट है जो शरीर के फंक्शन को कंट्रोल में रखता है। हर मोड़ पर फैसला लेने के लिए आपको दिमाग की ही जरूरत पड़ती है। ऐसे में इसका खास ख्याल रखना जरूरी होता है। हालांकि हमारी रोजाना की कुछ खराब आदतें हैं जिसकी वजह से आपका दिमाग अंदर से खोखला हो सकता है।



ब्लू लाइट
मोबाइल फोन से निकलने वाली ब्लू लाइट ना सिर्फ आंखों के लिए खतरनाक है बल्कि इससे आपका कॉग्निटिव फंक्शन भी प्रभावित हो सकता है। दरअसल सोते वक्त जब आप फोन का इस्तेमाल करते हैं तो इससे निकलने वाली ब्लू लाइट मेलाटोनिन यानी की स्लीपिंग हार्मोन को प्रभावित करती हैं इससे नींद में गड़बड़ी होती है और नींद का खराब पैटर्न याददाश्त में कमजोरी,चिड़चिड़ापन, तनाव, जैसी समस्याएं पैदा कर सकता है।

स्ट्रेस
स्ट्रेस आपकी मेंटल हेल्थ को बुरी तरह से प्रभावित करता है। तनाव लेने से कोर्टिसोल हार्मोन बढ़ सकता है। ये हार्मोन याददाश्त को बुरी तरह से प्रभावित करता है। लंबे समय तक तनाव में रहने से आपको याददाश्त से जुड़ी बीमारी हो सकती है। तनाव लेने से आप डिप्रेशन में भी जा सकते हैं।

अकेलापन
अकेलापन आपके दिमाग को खोखला कर सकता है। अकेलापन आपको भावनात्मक रूप से नुकसान पहुंचाता है आप अपने दिल की बात किसी से शेयर नहीं कर पाते हैं। इससे चिड़चिड़ापन और तनाव बढ़ता है। नकारात्मक सोच आप पर हावी होती है।

ज्यादा मीठा खाना
जरूरत से ज्यादा मीठा खाने से ना सिर्फ आपको डायबिटीज की शिकायत होती है बल्कि आपका दिमाग भी कमजोर हो सकता है। दरअसल जब ब्लड शुगर का स्तर ज्यादा होता है उनका मस्तिष्क अच्छी तरह से काम नहीं कर पाता है इससे भूलने की बीमारी हो सकती है।

एक्सरसाइज न करना
दिमाग को सुचारू रूप से चलाने के लिए एक्सरसाइज की जरूरत होती है। ऐसे में जब आप कोई भी शारीरिक गतिविधि नहीं करते हैं तो ब्रेन डिाइड्ड न्यूरोट्रॉफिक फैक्टर कम होती है इससे बौद्धिक क्षमताएं कम होती है।

बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान कैसे रखें?

बच्चों को सही परवरिश देना हर माता-पिता की पहली अहमियत होती है। आज के समय में जब सब कुछ डिजिटल उपलब्ध है, तो बच्चों के शारीरिक विकास के साथ मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना भी जरूरी हो गया है। आज के समय में छोटे-छोटे बच्चे मोबाइल फोन का उपयोग करते हैं या लंबे समय तक इस पर समय बिताते हैं। बहुत से पेरेंट्स बच्चों के शारीरिक विकास के लिए कई बार जरूरी पोषक तत्व नहीं देते हैं। जिस कारण बच्चों की प्रोथ पर असर पड़ता है। आज के समय में बच्चे प्रोसेस्ड फूड्स का सेवन ज्यादा करना चाहते हैं। यह फूड्स के सेवन से बच्चों का वजन बढ़ाने के साथ कई तरह की बीमारियां लगने का खतरा भी बढ़ता है। बच्चों का शारीरिक विकास ठीक ढंग से हो। ऐसे में विकास के साथ मानसिक स्वास्थ्य पर फाइबर रिच फूड्स को शामिल करें। साथ ही शरीर के विकास के साथ बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी ध्यान दें। घर में ऐसा माहौल तैयार करें।

बच्चों को साफ-सफाई के बारे में बताएं : बचपन से ही बच्चों को साफ-सफाई के बारे में अवगत कराना जरूरी होता है। ऐसे में बाहर से आने के बाद बच्चों का ठीक से हैंडवॉश कराएं। खाना

खाने से पहले और बाद में बच्चों को हैंडवॉश की अहमियत बताएं। बच्चों के साथ खुद भी हाथ को अच्छ से धोएं। बच्चों को इस रूटिन के लिए जागरूक बनाएं। ऐसा करने से संक्रमण से बचाव होता है।

समय पर टीकाकरण : बच्चों को उनकी उम्र के हिसाब से टीकाकरण अवश्य कराएं। टीकाकरण से बच्चों को कई बीमारियों से बचाया जा सकता हैं। साथ ही टीकाकरण बच्चे के शारीरिक विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है। बच्चे को किसी भी प्रकार की समस्या होने पर डॉक्टर को अवश्य दिखाएं।

बच्चों के साथ बातचीत करें : बच्चे के मानसिक विकास पर ध्यान देने के लिए यह जरूरी हो जाता है कि आप उनसे खुले दिल से बात करें। घर में ऐसा माहौल तैयार करें कि बच्चा बिना डरे आपसे हर बात शेयर कर सकें। बच्चा अगर कोई बात बता रहा हो, तो उसे टोके नहीं बल्कि उसकी बात को ध्यान से सुनें।

आत्मविश्वास को बढ़ाएं : ऐसा बहुत बार होता हैं कि बच्चा कुछ करना चाहता हैं लेकिन उसमें सफल नहीं हो पाता है। ऐसे में बच्चों को बताएं कि गलतियों से सीखें, उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

बच्चे के मानसिक विकास पर ध्यान देने के लिए यह जरूरी हो जाता है कि आप उनसे खुले दिल से बात करें। घर में ऐसा माहौल तैयार करें कि बच्चा बिना डरे आपसे हर बात शेयर कर सकें। बच्चा अगर कोई बात बता रहा हो, तो उसे टोके नहीं बल्कि उसकी बात को ध्यान से सुनें।

आत्मविश्वास को बढ़ाएं : ऐसा बहुत बार होता हैं कि बच्चा कुछ करना चाहता हैं लेकिन उसमें सफल नहीं हो पाता है। ऐसे में बच्चों को बताएं कि गलतियों से सीखें, उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

आज का राशिफल



मे़ष
नई योजना लागू करने का श्रेष्ठ समय है। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर प्रसन्नता का माहौल रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा। बड़ा कार्य करने का मन बनेगा।



वृ़ष
स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। आय में वृद्धि तथा उन्नति मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। पार्टनरों का सहयोग समय पर प्राप्त होगा। यात्रा की योजना बनेगी। घर-बाहर कुछ तनाव रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।



मि़थुन
किसी जानकारी प्रबुद्ध व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होने के योग है। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। किसी राजनयिक का सहयोग मिल सकता है। लाभ के दरवाजे खुलेंगे। चोट व दुर्घटना से बचे। व्यस्तता रहेगी। थकान व कमजोरी महसूस होगी। विवाद से बचे। धन प्राप्ति होगी। प्रमाद न करें।



कर्क
स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चोट व दुर्घटना से बचे। आय में कमी रह सकती है। घर-बाहर असहयोग व अशांति का वातावरण रहेगा। अपनी बात लोगों को समझा नहीं पाएंगे। ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च होगा। जौशिम व जमानत के कार्य टालें। हितैषी सहयोग करेंगे। धर्माज्न संभव है।



सिंह
प्रेम-पसंग में अनुकूलता रहेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति के सहयोग से कार्य की बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। परिवार के लोग अनुकूल व्यवहार करेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। नए लोगों से सौकर्य होगा। आय में वृद्धि तथा आरोग्य रहेगा। चिंता में कमी होगी। जल्दबाजी न करें।



कन्या
बकाया वसुली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सुकून रहेगा। जल्दबाजी में कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। कानूनी अड़चन आ सकती है। विवाद न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी।



तुला
पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। स्वास्ति व्यंजनों का लाभ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेंगे। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। काम में मन लगेगा। शेरार मॉडेंट में लाभ रहेगा। नौकरी में सुविधाएं बढ़ सकती हैं। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धन प्राप्ति सुगमता से होगी।



वृ़श्चिक
दुःखद सूचना मिल सकती है, धैर्य रखें। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचे। बेकार की बातों पर ध्यान न दें। अपने काम पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चिंता रहेगी।



धनु
भूले-बिसरे साथी तथा आगंतुकों के स्वागत तथा सम्मान पर व्यय होगा। आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। बड़ा काम करने का मन बनेगा। परिवार के सदस्यों की उन्नति के समाचार मिलेंगे। प्रसन्नता रहेगी। किसी व्यक्ति की बातों में न आए, लाभ होगा।



मकर
घर-बाहर प्रसन्नतादायक वातावरण रहेगा। नौकरी में पैस महसूस होगा। व्यापार से संतुष्टि रहेगी। संतान की चिंता रहेगी। प्रतिद्वंद्वी तथा शत्रु हानि पहुंचा सकते हैं। मित्रों का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। यात्रा की योजना बनेगी। प्रसन्नता रहेगी।



कुंभ
यात्रा मनोनुकूल मनोरंजक तथा लाभप्रद रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा। घर-बाहर सफलता प्राप्त होगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। काम में लगन तथा उत्साह बने रहेंगे। मित्रों के साथ प्रसन्नतापूर्वक समय बीतेगा।



मीन
स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। बनते कामों में किंज आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जीवनसाथी से सामंजस्य बेगुण। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचे। बेजगह लोगों से मनमुटव हो सकता है। बेकार की बातों पर ध्यान न दें। आय में निश्चिंता रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा।



निःशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर आयोजित



निर्स

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। रोटेरी क्लब श्रीमाधोपुर सनराइज द्वारा रविवार को निःशुल्क पाश्चि क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर का 487 वां शिविर चौधरी नाथराम भामु रोटेरी भवन में लगाया गया, क्लब के गिरिराज कयाल ने श्रीमाधोपुर के साथ ही पटवारी का बास, ढालियावास, लिसाडिया, नांगल, नाथुसर, कंचनपुर, होलियावास, अजीतगढ़, कांवट, खंडेला, होद, खेडी जाजोद, जयरामपुरा सहित कई अन्य गाँवों के 105 मरीजों ने लाभ उठया। इससे पहले आयोजित शिविरों में 52 हजार से भी ज्यादा मरीजों ने लाभ उठया है। रोटेरी क्लब श्रीमाधोपुर सनराइज की ओर से यह शिविर हर दुसरे रविवार को रोटेरी भवन में आयोजित किये जाते है, इसमे डॉ. एस. एल. चौधरी द्वारा सभी तरह की पथरी, प्रोस्टेट, चर्म रोग, पेट रोग, दमा-धास, सोरीसिस, साइटिका, नजला, जुखाम, टॉसिल्स, एलर्जी, माइग्रेन, फंगल इन्फेक्शन, जोडो का दर्द एवं अन्य कई रोगों से ग्रसित मरीजो को निःशुल्क परामर्श दिया तथा क्लब कि ओर से 14 दिनों की दवाइयां निःशुल्क दी गई। इस होम्योपैथिक शिविर में डॉ. एस. एल. चौधरी के साथ क्लब पूर्व सहप्रान्तपाल डॉ माधव सिंह, क्लब सेक्रेटरी मुकेश व्यास, राजेन्द्र प्रसाद कसेरा, विजय कुमार कसेरा एवं क्लब के और सदस्यों ने अपनी सेवाए दी।

जैन संस्कार विधि से रक्षाबंधन मनाने पर कार्यशाला आयोजित



श्रीराम तिवड़ी

नोखा (नवयत्न)। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के निर्देश पर तेरापंथ युवक परिषद नोखा द्वारा रविवार को तेरापंथ भवन में जैन संस्कार विधि से मनाएं रक्षाबंधन विषय पर विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य परिवारों में धार्मिक एवं पारिवारिक संस्कारों को मजबूत करना तथा नई पीढ़ी को जैन संस्कृति और परंपराओं से जोड़ना है। कार्यशाला का शुभारंभ जैन संस्कारक गोपाल लूणावत, हंसराज भूरा एवं निर्मल चौपड़ा ने जैन संस्कार विधि के अनुसार किया। इस अवसर पर उपासक एवं संस्कारक राजेंद्र सेठिया ने अपने उद्बोधन में जैन संस्कारों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए परिवार एवं समाज में संस्कारों को जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उपासक धीरेन्द्र बोथरा ने भी जैन संस्कारों की महता बताते हुए इन्हें दैनिक जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी। जैन संस्कारक गोपाल लूणावत ने रक्षाबंधन पर्व से जुड़ी जैन कथा के माध्यम से पर्व के धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व को विस्तार से समझाया। वहीं जैन संस्कारक हंसराज भूरा ने जैन संस्कार विधि के अनुसार रक्षाबंधन मनाने की पूरी प्रक्रिया की जानकारी दी और इसके पीछे निहित धार्मिक भावनाओं एवं परंपराओं को सरल तरीके से समझाया। कार्यशाला में तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष गजेंद्र पारख, ज्ञानशाला प्रशिक्षिका राजकुमारी मरोठी, रेखा सेठिया, सूरिता बैद, सोनू बोथरा एवं ज्ञानशाला प्रभारी महावीर नाहटा सहित परिषद के सदस्य, महिला मंडल की सदस्यएँ, ज्ञानशाला के प्रशिक्षक तथा बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएँ उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बच्चों एवं युवाओं की सहभागिता विशेष रूप से देखने को मिली। कार्यशाला के माध्यम से उन्हें अपनी धार्मिक परंपराओं को समझने और आने वाली पीढ़ी तक संस्कारों को पहुंचाने का संदेश दिया गया। आयोजकों ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम परिवारों में धार्मिक एवं पारिवारिक संस्कारों को मजबूत करने के साथ-साथ नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के समापन पर तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष गजेंद्र पारख ने जैन संस्कारकों, श्रावक-श्राविकाओं, महिला मंडल, ज्ञानशाला, प्रशिक्षकों एवं सभी सहयोगी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सामूहिक सहभागिता से आयोजित ऐसे कार्यक्रम समाज में संस्कारों को मजबूत करते हैं और नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति एवं परंपराओं से जुड़ने का अवसर प्रदान करते हैं। कार्यशाला में परिषद सदस्यों, महिला मंडल, ज्ञानशाला एवं श्रावक समाज की सक्रिय भागीदारी रही और कार्यक्रम उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

समाज की एकजुटता संगठन का मूल मंत्र : हरिप्रसाद स्वामी



नवरत्न वर्मा

रतनगढ़ (नवयत्न)। रतनगढ़ में रांकावत हितकारिणी सभा स्वामी समाज भवन में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें समाज की एकता और संगठन के साथ-साथ विभिन्न समाजक कुरीतियों पर चर्चा हुई। कार्यक्रम का शुरुआत हरिप्रसाद स्वामी की अध्यक्षता में द्वीप प्रज्वलित के साथ हुई। इस अवसर पर सुभाष स्वामी बीकानेर ने कहा कि समाज के उत्थान के लिए शिक्षा और राजनीतिक क्षेत्र में समाज की भागीदारी कैसे हो विषय पर जोर दिया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए राधेश्याम स्वामी नोसरिया ने कहा कि समाज के घरेलू या आपसी विवादों को कोर्ट-कचहरी ले जाने के बजाय सामाजिक स्तर पर सुलझाए जाए। इस अवसर पर बुद्धि प्रकाश स्वामी रामगढ़ ने कहा कि सही उम्र में शादी होने से न केवल स्वास्थ्य अच्छा रहता है बल्कि पति-पत्नी के बीच आपसी समझ और सामंजस्य भी बेहतर होता है। इस अवसर पर महामंत्री ललित रांकावत, ओमप्रकाश पारवाल, भंवरलाल चाड़ा, रतनलाल डाला, प्रहलाद चाड़ा, जगदीश स्वामी, भानु प्रकाश स्वामी, कन्हैयालाल स्वामी, रामनिवास स्वामी, गजानंद स्वामी सहित समाज के गणमान्यजन उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन हंसराज स्वामी रोड्डू ने किया।

8 साल बाद लौटी खुशियां : सोशल मीडिया की एक रील ने बिछड़े भाई को परिवार से मिलाया

अपना घर आश्रम में भावुक हुआ मिलन,, बुजुर्ग मां की आंखों में छलके खुशी के आंसू

श्रीराम तिवड़ी

नोखा (नवयत्न)। अपना घर आश्रम नोखा में रविवार को एक ऐसा भावुक और हृदयस्पर्शी मिलन हुआ, जिसने वहां मौजूद लोगों की आंखें नम कर दीं। करीब आठ वर्षों से अपने परिवार से बिछड़े अशोक प्रभुजी आखिरकार अपने भाई धर्मेद और परिवार से मिल गए। इस भावुक मिलन की कड़ी सोशल मीडिया पर प्रसारित हुई एक छोटी-सी रील बनी, जिसने वर्षों से अपने भाई की तलाश कर रहे परिवार को उनकी सबसे बड़ी खुशी लौटा दी। जानकारी के अनुसार अशोक प्रभुजी मूल रूप से बिरदा गांव, ललितपुर, उत्तर प्रदेश के निवासी हैं। वर्ष 2018 में वे रोजमर्रा के काम के सिलसिले में एक छोटी दुकान पर काम करने के लिए घर से निकले थे, लेकिन उस दिन शाम को वापस नहीं लौटे। अशोक प्रभुजी बोलने और सुनने में असमर्थ हैं, जिसके कारण उनके अचानक लापता होने के बाद परिवार के लिए उनकी तलाश करना बेहद मुश्किल हो गया।



परिवार ने उन्हें तलाशने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उनकी बुजुर्ग माताजी, भाई धर्मेद और अन्य परिजनों ने विभिन्न स्थानों पर खोजबीन की। पुलिस थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज करवाई गई, लेकिन लंबे समय तक अशोक प्रभुजी का कोई सुराग नहीं मिला।

समय बीतता गया, लेकिन उम्मीद नहीं टूटी

वर्षों तक परिवार अशोक प्रभुजी की वापसी का इंतजार करता रहा। इसी दौरान वर्ष 2022 में उनकी भाभी का निधन हो गया। उनका छोटा भाई भी उन्हें तलाशते-

तलाशते कहीं चला गया और उसका भी पता नहीं चल पाया। ऐसे कठिन दौर में बड़े भाई धर्मेद ने घर-परिवार और अपनी बुजुर्ग मां की जिम्मेदारी संभाली, लेकिन अशोक प्रभुजी के वापस मिलने की उम्मीद परिवार ने कभी पूरी तरह नहीं छोड़ी।

19 नवंबर 2022 को मिला अपना घर आश्रम का सहारा

इसी बीच 19 नवंबर 2022 को अशोक प्रभुजी को बीकानेर रेलवे स्टेशन से रस्क्यू किया गया। उन्हें अपना घर आश्रम बीकानेर लाया गया, जहां उनकी देखभाल की गई। बाद में उन्हें अपना घर आश्रम

नोखा स्थानांतरित किया गया। आश्रम में उन्हें भोजन, आवास, चिकित्सा, सुरक्षा और अपनत्व सहित आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाई गईं। हालांकि वे अपनी पहचान, पता और परिवार के बारे में स्पष्ट जानकारी देने में सक्षम नहीं थे। ऐसे में उनके परिजनों तक पहुंचना बेहद चुनौतीपूर्ण बना रहा।

वर्षों बाद आगने-सामने आए दोनों भाई

जानकारी मिलते ही धर्मेद अपना घर आश्रम नोखा पहुंचे। वर्षों बाद जब दोनों भाई आमने-सामने आए तो माहौल बेहद भावुक हो गया। भाई ने अशोक प्रभुजी को पहचान लिया और दोनों के बीच हुए मिलन का दृश्य वहां मौजूद लोगों के लिए भी भावुक कर देने वाला रहा। धर्मेद ने आश्रम प्रबंधन का आभार जवाते हुए कहा कि परिवार ने अशोक प्रभुजी को पाने की उम्मीद कभी नहीं छोड़ी थी। इतने वर्षों बाद उनका सुरक्षित मिलना उनके लिए किसी चमत्कार से कम नहीं है। इसके बाद आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के पश्चात

माटी कला बोर्ड अध्यक्ष टाक ने सुजानगढ़ में भाजपा का सभापति बनने का किया दावा

अमित प्रजापत

सुजानगढ़ (नवयत्न)। निकाय चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी की ओर से रविवार को भाजपा कार्यालय में प्रेस वार्ता आयोजित की गई। प्रेस वार्ता में श्री यादे माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष एवं भाजपा नेता प्रह्लाद राय टाक ने आगामी नगर निकाय चुनाव में पार्टी की रणनीति को लेकर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भाजपा इस बार सुजानगढ़ में मजबूती के साथ चुनाव मैदान में उतरेगी और नगर परिषद में पार्टी का सभापति बनाने का लक्ष्य लेकर कार्य करेगी। टाक ने कहा कि पिछले दस वर्षों के कांग्रेस के कुशासन से शहरवासियों को मुक्ति दिलाने के लिए भाजपा कार्यकर्ता एकजुट होकर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी का उद्देश्य सत्ता के साथ विकास की कड़ी को जोड़ना है। इसके लिए संगठन के स्तर पर बृ्थ से लेकर वार्ड तक कार्यकर्ताओं को सक्रिय किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नगर निकाय चुनाव में टिकट वितरण



को लेकर पार्टी पूरी गंभीरता से काम करेगी। प्रत्याशी का चयन उसकी जीतने की क्षमता, संगठन के प्रति निष्ठा, जनाधार, टिकाऊ कार्यशैली और विश्वसनीयता को ध्यान में रखते हुए किया जाएगा। प्रत्येक वार्ड में सर्वे करवाया जाएगा तथा वार्डवासियों और स्थानीय कार्यकर्ताओं की राय भी ली जाएगी। इसके बाद पार्टी स्तर पर विचार-विमर्श कर प्रत्याशियों का चयन किया जाएगा। प्रह्लाद राय टाक ने राज्य की भजनलाल शर्मा सरकार के कार्यकाल की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि सरकार ने युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में

महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। उन्होंने दावा किया कि सरकार के ढाई वर्ष के कार्यकाल में पेपर लीक जैसी घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाया गया है और युवाओं के हित में विभिन्न कदम उठाए गए हैं। उन्होंने सुजानगढ़ शहर की स्थानीय समस्याओं का उल्लेख करते हुए कहा कि भाजपा की प्राथमिकता शहर का समुचित विकास करना रहेगा। जलभराव, सीवेरज और ड्रेनेज जैसी समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए प्रभावी योजना के साथ कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शहरवासियों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने के साथ-साथ लंबे समय से चली

आ रही समस्याओं का समाधान करवाना भाजपा की प्राथमिकता होगी। टाक ने विश्वास जताते हुए कहा कि इस बार सुजानगढ़ नगर परिषद में भाजपा का सभापति बनेगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से चुनाव की तैयारियों में जुटने और संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। प्रेस वार्ता के दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष विनय माटोलिया, पूर्व विधायक खेमाराम मेघवाल, विधानसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी रही संतोष मेघवाल, निकाय चुनाव प्रभारी मधुसूदन राजपुरोहित, गौरव इंदौरिया, प्रकाश भार्गव भाजपा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रिहायशी अपार्टमेंट की पार्किंग में लगी आग

छक नजिल आर्टटैट में फसे 80 लोगों को निकाला

निर्स

जयपुर (नवयत्न)। कालवाड़ रोड स्थित मंगलम सिटी के ए-ब्लॉक के रिहायशी अपार्टमेंट की पार्किंग में रविवार दोपहर अचानक आग लग गई। आग ने पार्किंग में खड़े वाहनों को चपेट में ले लिया। हादसे में 12 बाइक और तीन कारें जलकर खाक हो गईं। वाहनों के जलने से उठे धुएं से छह मंजिला अपार्टमेंट में रह रहे लोगों की सांसें भरने लगीं। सूचना मिलते ही कालवाड़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से फ्लैटों में फंसे करीब 80 लोगों को सुरक्षित बाहर निकालकर अपार्टमेंट खाली कराया। कालवाड़ थानाधिकारी दिलीप सिंह ने बताया कि रविवार दोपहर करीब 2:45 बजे अपार्टमेंट की पार्किंग में आग लगी थी। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट सामने आया है। पार्किंग में खड़े वाहनों ने आग पकड़ लीए जिससे कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप ले लिया और तेज लपटें उठने लगीं। आग की जानकारी मिलते ही अपार्टमेंट में अफरा-तफरी मच गई। पार्किंग में खड़े वाहनों के लगातार जलने से धुआं ऊपर की मंजिलों तक पहुंच गया। इससे अपार्टमेंट में मौजूद लोगों को सांस लेने में परेशानी होने लगी। पुलिस ने तत्काल स्थानीय लोगों की मदद से छह मंजिला इमारत के फ्लैटों में फंसे करीब 80 लोगों को बाहर निकाला। सभी को सुरक्षित बाहर निकालने के बाद अपार्टमेंट खाली कराया गया। आग की सूचना पर पुलिस ने फायर ब्रिगेड को बुलाया। दमकल की चार गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का अभियान शुरू किया।

मानवता की मिसाल बना अपना घर आश्रम

यह पूरा घटनाक्रम इस बात की मिसाल है कि एक छोटी-सी कोशिश भी किसी परिवार की जिंदगी में बड़ी खुशी ला सकती है। अपना घर आश्रम नोखा में अशोक प्रभुजी को लंबे समय तक आश्रय, भोजन, चिकित्सा और अपनापन मिला और आखिरकार सोशल मीडिया की एक रील उनके परिवार तक पहुंचने का माध्यम बनी। जब अशोक प्रभुजी अपने भाई के साथ आश्रम से विदा हुए तो वहां मौजूद लोगों की आंखों में खुशी के साथ भावुकता भी नजर आई। आठ साल का इंतजार खत्म हुआ, एक मां की उम्मीद पूरी हुई और एक भाई को उसका बिछड़ा भाई वापस मिल गया। अपना घर आश्रम नोखा के लिए यह केवल एक प्रभुजी की घर वापसी नहीं, बल्कि एक पूरे परिवार की वर्षों से खोई हुई खुशी लौटने का दिन रहा।

सोशल मीडिया की रील बनी परिवार से मिलाने की कड़ी

कहानी में नया मोड़ 19 अगस्त 2026 को आया। अपना घर आश्रम नोखा की ओर से इंस्टाग्राम पर अशोक प्रभुजी की एक रील साझा की गई। संयोग से बिरदा गांव के रहने वाले रामपाल की नजर उस रील पर पड़ी। उन्होंने अशोक प्रभुजी को पहचान लिया और तत्काल उनके भाई धर्मेद को इसकी सूचना दी। जैसे ही धर्मेद को पता चला कि उनका वर्षों से बिछड़ा भाई अपना घर आश्रम नोखा में सुरक्षित है, परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई। जिस भाई को परिवार आठ वर्षों से तलाश रहा था, उसके जीवित और सुरक्षित होने की खबर ने बुजुर्ग मां और परिजनों की आंखों में खुशी के आंसू ला दिए।

अशोक प्रभुजी अपने भाई धर्मेद ललितपुर, उत्तर प्रदेश के लिए के साथ अपने गांव बिरदा, रवाना हो गए।

सावन के रंग - सखियों के संग तीज उत्सव आयोजित



अमित प्रजापत

सुजानगढ़ (नवयत्न)। माहेश्वरी महिला मंडल सुजानगढ़ द्वारा स्थानीय माहेश्वरी सेवा सदन में सावन के रंग - सखियों के संग तीज उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गोपालपुरा प्रशासक सविता राठी द्वारा दीप प्रज्वलन एवं महेश वंदना के साथ हुआ। इस अवसर पर सहमंत्री सरिता सारड़ा, उपाध्यक्ष लक्ष्मी लड़ा द्वारा मधुर लोकगीत प्रस्तुत किया गया। अध्यक्ष प्रमिला राठी ने बताया कि महिला वर्ग में प्रथम कोमल कार्यक्रम में महिलाओं ने मनोरंजक खेलों, हाउजी, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों एवं रैम्प वॉक में उत्साहपूर्वक भाग लिया। सावन एवं तीज की थीम पर महिलाओं ने लहरिया, बांधनी एवं राजस्थानी परिधानों में सजकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। रैम्प

जयपुर में बॉलीवुड ग्लैम सीजन-5 का पोस्टर लॉन्च : 30 अगस्त को होगा वैंड फिनाले

जयपुर (नवयत्न)। पिकसिटी में सिंह आइकॉन के बैनर तले आयोजित होने वाले फैशन शो बॉलीवुड ग्लैम सीजन-5 के पोस्टर एवं कर्टेन रेजर का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व प्रशासनिक अधिकारी जगदीश चंद्र ने पोस्टर का अनावरण कर आयोजन टीम को शुभकामनाएं दीं। आयोजकों के अनुसार शो का ग्रैंड फिनाले 30 अगस्त को होटल ग्राइम सफारी, जयपुर में होगा। इसमें फैशन एवं मनोरंजन जगत की हस्तियों के साथ शहर की गणमान्य हस्तियां भी शामिल होंगी। मुख्य आयोजक आदित्य सिंह ने बताया कि उनकी टीम अब तक 28 फैशन शो आयोजित कर चुकी है। सिंह आइकॉन का यह पांचवां सीजन है, जिसका उद्देश्य युवा और उभरती प्रतिभाओं को फैशन एवं ग्लैमर इंडस्ट्री में पहचान बनाने के लिए मंच उपलब्ध कराना है।

कार्यालय ग्राम पंचायत बीबासर	
पं. स. झुन्झुनू	
क्रमांक : 2026-27/102	दिनांक : 21/08/2026
ई-निविदा सूचना	
ग्राम पंचायत बीबासर में विकास कार्य को संपादित करने हेतु पंचायतीराज अधिनियम 1996 के नियम 181 (2) के अन्तर्गत तथा राजस्थान लोक उपापन पारदर्शिता नियम 2013 के अनुसार राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के विभागों में पंजीकृत एवं अधिकृत सक्षम श्रेणी के संवेदकों से GST अधिनियम 2017 के तहत पंजीकृत एवं प्राधिकृत फर्मों से ई-निविदा दिनांक 27/08/2026 तक निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित समस्त जानकारी कार्यालय समय में ग्राम पंचायत बीबासर के कार्यालय व http://spppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है।	
(1) ग्राम पंचायत बीबासर के राजस्व ग्राम बीबासर फतेहसरा में स्ट्रीट लाइट लगाने का कार्य	
NIB Code- PGH2627A0025	
UBN code- PGH2627WSOB00024	
(2) ग्राम पंचायत बीबासर में पुरानी स्कूल के पास मिनी हाई मास्क लाईट लगाने का कार्य	
NIB Code- PGH2627A0026	
UBN code- PGH2627WSOB00025	
प्रशासक	ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत बीबासर	ग्राम पंचायत बीबासर



मोठ की मस्जिद से जुड़े ये फैक्ट्स नहीं जानते होंगे आप

दिल्ली को भारत का दिल कहा जाता है, क्योंकि यह अपने आप में नयाब है। यहां की खूबसूरती विविधताओं को अपने अंदर समेटा हुआ है। दिल्ली कई मायनों में खास है और यहां पर मौजूद हर जगह का अपना अलग इतिहास है, जो न सिर्फ भारत में बल्कि पूरे विश्वभर में मशहूर है। यहां आपको एक तरह प्राचीन वास्तुकलाएं देखने को मिलेंगी, तो वहीं दूसरी ओर कई ऐतिहासिक चीजों का दीदार करने का मौका मिलेगा। यहां के मंदिर, मस्जिद और किले इतने खूबसूरत हैं कि आपको एक बार जरूर देखना चाहिए। यहां पर कई ऐसी मस्जिदें मौजूद हैं, जिनका दीदार किया जाना चाहिए। वैसे तो दिल्ली में मौजूद कई ऐतिहासिक मस्जिदें हैं, जहां आप इंद पर भी जाने का प्लान बना सकते हैं।



मोठ मस्जिद का इतिहास

मोठ मस्जिद दिल्ली में मौजूद खूबसूरत इस्लामिक इमारतमें से एक है। इसका इतिहास काफी रोचक रहा है, जिसे भारतीय सांस्कृतिक विरासत का अहम हिस्सा माना जाता है। मोठ मस्जिद को सन 1505 में लोदी वंश के सिकंदर लोदी के शासनकाल के दौरान प्रधान मंत्री वजीर मिया भोइया द्वारा बनवाई गई थी। यह दिल्ली सल्तनत के मध्ययुगीन दिल्ली के चौथे शहर में लोदियों द्वारा विकसित एक नए प्रकार की मस्जिद थी। बता दें इस मस्जिद को दाल मस्जिद भी कहते हैं, क्योंकि इसे दाल की आय से बनाया गया था।

मस्जिद मोठ की संरचना का क्या महत्व है?

मोठ मस्जिद फेमस पर्यटन स्थल है, जिसे विशाल धार्मिक स्थल और विशाल सांस्कृतिक वास्तुकला के लिए जाना जाता है। यहां हर साल लाखों पर्यटक आते हैं, ताकि वो इस महान स्थल की सुंदरता का दीदार कर सकें। अगर हम इसकी वास्तुकला की बात करें, तो इस मस्जिद को इंडो-इस्लामिक वास्तुशिल्प और लाल पत्थरों से बनाया गया है। जालीदार स्क्रीन वाली खिड़कियां, स्मारक और दो मंजिला टॉवर हैं। यह मस्जिद अपने खूबसूरत गुंबद के लिए भी जानी जाती है।

क्या है खासियत?

वैसे तो हर जगह अपने आप में खास होती है, जिसका ऐतिहासिक महत्व भी काफी होता है। मगर इस मस्जिद की अलग की खासियत है। लोगों का मानना है कि यह मस्जिद मुस्लिम समुदाय के लिए बहुत खास है। लोग यहां 5 वक की नमाज पढ़ने के साथ-साथ इसकी वास्तुकला भी देखने आते हैं।

मनमोहक वातावरण और खूबसूरती के लिए प्रसिद्ध है दार्जिलिंग

ब्रिटिश राज के तहत भारत की पूर्व ग्रीष्मकालीन राजधानी दार्जिलिंग, भारत के सबसे अधिक लोकप्रिय हिल स्टेशनों में से एक है। पश्चिम बंगाल का यह सुरम्य पहाड़ी गंतव्य रोमांटिक हनीमून के लिए भी आदर्श है। कई एकड़ चाय बागानों के बीच बसा दार्जिलिंग समुद्र तल से 2,050 मीटर ऊपर है और इसलिए यहां पूरे साल ठंडी जलवायु रहती है। दार्जिलिंग को अक्सर इसके पड़ोसी राज्य सिक्किम के स्थलों के साथ जोड़ा जाता है, जो इसे पूर्वी हिमालय के आश्रयों की खोज के लिए एक आदर्श प्रारंभिक बिंदु बनाता है। 1881 में स्थापित दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे को यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर का दर्जा दिया गया है। यह ट्रेन मैदानी इलाकों से अपनी यात्रा शुरू करती है और समुद्र तल से 2000 मीटर से अधिक ऊपर उठती है, और चलते-चलते पहाड़ों के मनमोहक दृश्य पेश करती है। दार्जिलिंग अपने चाय बागानों के लिए भी प्रसिद्ध है, यहां 86 से अधिक चाय बागान हैं जो दुनिया भर में प्रसिद्ध दार्जिलिंग चाय का उत्पादन करते हैं। दुनिया की तीसरी और भारत की सबसे ऊंची चोटी कंचनजंगा यहां से दिखाई देती है और आप चोटी के मनोरम दृश्य का आनंद ले सकते हैं। दार्जिलिंग के कुछ सबसे लोकप्रिय आकर्षणों में मठ, वास्त्यति उद्यान, एक चिड़ियाघर और दार्जिलिंग-रंगजीत वैली पैसेंजर रोपवे केबल कार शामिल हैं, जो सबसे लंबी एशियाई केबल कार है। टाइगर हिल पहाड़ों के ऊपर अपनी पूरी भव्यता के साथ सूर्योदय देखने के लिए एक शानदार जगह है। दार्जिलिंग घूमने का सबसे अच्छा समय अप्रैल से जून के बीच है जब मौसम सुहावना होता है। हालाँकि, बहुत से लोग अक्टूबर से दिसंबर तक सर्दियों के महीनों के दौरान भी यहाँ आना पसंद करते हैं। जुलाई से अगस्त के महीनों में भारी वर्षा के कारण इस हिल स्टेशन में बहुत सारी बाधाएँ देखी जाती हैं और इसलिए इन महीनों के दौरान दार्जिलिंग का दौरा करना उचित नहीं है।

पर्यटन के लिए खास है जयपुर के ये हिल स्टेशन

शहरी जीवन में काम करते-करते जब व्यक्ति थक जाता है तो वह खुद को मानसिक रूप से आराम देना चाहता है और इसलिए भागदौड़ भरी जियंदगी से दूर प्रकृति की गोद में कुछ वक्त बिताना चाहता है। ऐसे में हिल स्टेशन को एक्सप्लोर करना यकीनन एक अच्छा विचार हो सकता है। हिल स्टेशनों का शांत वातावरण शरीर और मन को फिर से तरोजाजा कर देता है। आप भी अगर जयपुर में रहते हैं तो ऐसे में इसके करीब कुछ हिल स्टेशन को एक्सप्लोर करने का मन बना सकते हैं।

माउंट आबू

माउंट आबू पूरे राजस्थान का सबसे बड़ा हिल स्टेशन है। यह हिल स्टेशन पूरे देश में काफी फेमस है और यहां पर काफी ट्रिस्ट घूमने के लिए आते हैं। अरावली पहाड़ियों से घिरा, यह हिल स्टेशन अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है। इस खूबसूरत हिल स्टेशन में खूबसूरत नकी झील है। इतना ही नहीं, यहां पर मौजूद मंदिर भी काफी फेमस हैं। जिनमें से विस्मयकारी दिलवाड़ा मंदिर बेहद ही



विशेष है। इस हिल स्टेशन की जयपुर से दूरी लगभग 500 किमी है। आप अगर कार से यहां जाते हैं तो जयपुर से माउंट आबू पहुंचने में लगभग 8 घंटे लगेंगे।

रणकपुर

रणकपुर एक छोटा सा हिल स्टेशन है जो अरावली से घिरा हुआ है और उदयपुर से उत्तर की ओर लगभग 95 किमी दूर स्थित है। रणकपुर एक महत्वपूर्ण जैन तीर्थस्थल रहा है



और यहां पर कुछ प्राचीन मंदिर भी स्थित है। इस पहाड़ी शहर का नाम महान राजपूत राजा राणा कुम्भा के नाम पर रखा गया है। यदि आप जयपुर के निकटतम हिल स्टेशन की तलाश में हैं तो रणकपुर जाना अच्छा विचार हो सकता है। जब आप यहां पर हैं तो रणकपुर जैन मंदिर, मुच्छल महावीर मंदिर, सूर्य नारायण मंदिर आदि को जरूर देखें। इसके अलावा, यहां पर ट्रैकिंग करने से लेकर ऊंट की सफारी करने का भी अपना एक अलग ही मजा है।

कुमारकोम पक्षी अभयारण्य, श्री नागराजा मंदिर और हाउसबोट्स का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

कूर्ग : दक्षिण भारत के कर्नाटक में स्थित कुर्ग पर्यटकों की पहली पसंद है। यहां की खूबसूरती का अंदाजा आप इस बात से भी लगा सकते हैं कि इसको अलग का स्कॉटलैंड भी कहा जाता है। गोदावरी नदी के तट पर स्थित कुर्ग की खूबसूरती किसी के भी मन को चंद मिनटों में मोहित कर सकती है। साथ ही आपको यहां की नाइट लाइफ नहीं मिस करनी चाहिए।

पंचकुला

अगर जयपुर के करीब आप किसी खूबसूरत हिल स्टेशन पर जाना चाहते हैं तो पंचकुला घूमने का विचार भी बना सकते हैं। पंचकुला में आपको हरियाली और वन्य जीवन को देखने का मौका मिलेगा। यह हिल स्टेशन इसमें बहने वाली पांच प्राचीन नहरों के लिए प्रसिद्ध है। इसके अलावा, पूरे क्षेत्र में कई खूबसूरत बगीचे फैले हुए हैं। पंचकुला में आप ट्रैकिंग से लेकर बोटिंग व कुछ ऐतिहासिक जगहों की यात्रा कर सकते हैं। आपको यहां पर मोरनी हिल्स, पिंजौर गार्डन, कैक्टस गार्डन, नाडा साहिब जैसी जगहों को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

मसूरी

मसूरी को क्वीन ऑफ हिल्स या पहाड़ों की रानी के रूप में जाना जाता है। यहां की खूबसूरती यकीनन आपका मन मोह लेगी। 7,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित यह हिल स्टेशन घूमने के लिए यकीनन एक बेहतरीन जगह है। यहां पर कई व्यू प्वाँट, ट्रैकिंग ट्रेल्स, मंदिर, बॉटरफॉल आदि मौजूद हैं।

कूर्ग में घूमने की जगहें : एबी फॉल्स, ताडिगनडामल पीक, केर झील, ऑंकारेश्वर मंदिर और मदिकेरी किला।
कोडाइकनाल : जब भी तमिलनाडु में घूमने की बात आती है, तो लोग कन्याकुमारी, चेन्नई, ऊटी या फिर रायक्षरम घूमने का प्लान बनाते हैं। लेकिन अगर आप मार्च महीने में घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको कोडाइकनाल जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए। यह तमिलनाडु का एक खूबसूरत हिल स्टेशन और फेमस हनीमून डेस्टिनेशन है।

पर्यटकों के लिए खास हैं कालाबुरागी नाम की ये जगह

कर्नाटक में अगर कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको कालाबुरागी जाने का प्लान बनाना चाहिए। यहां आपको ऐसे किले देखने को मिलेंगे, जहां का नजारा वाकई आपको पूरी जिंदगी याद रहेगा। कालाबुरागी जिसे गुलबर्गा के नाम से भी लोग जानते हैं, माना जाता है कि यह किला वारंगल के राजा गुलवंद ने बनवाया था।

चंद्रमपल्ली बांध

अगर आप गुलबर्गा घूमने जा रहे हैं, तो आपको चंद्रमपल्ली बांध देखने जरूर जाना चाहिए। ये बांध चिंचोली जंगल से घिरा हुआ है, यहां चारों तरफ आपको हरियाली देखने को मिलेगी। यह जगह उन लोगों के लिए बहुत अच्छी है जो शांति और आराम चाहते हैं। इस जग आप पिकनिक मनाने आ सकते हैं। गुलबर्गा से लगभग ढाई घंटे की दूरी पर ये जगह है। यहां आप ट्रैकिंग के लिए जा सकते हैं। यहां पहाड़ से आप चंद्रमपल्ली गांव देख सकते हैं और दूसरी तरफ बांध का नजारा आपका मन मोह लेगा।

कालाबुरागी किला

20 एकड़ क्षेत्र में फैला कालाबुरागी किला वाकई एक अद्भुत खोज है। इस किले की दीवारों के बीच 30 फीट की गहरी खाई बनाई गई है। माना जाता है कि राजा ने इसे दुश्मनों से सुरक्षा के लिए बनाया था। किले में कुल 26 तोप भी रखे गए हैं, जिसे देखने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं। गुलबर्गा किले के पास एक मस्जिद है, जो फोटो खींचने के लिए एक बहुत अच्छी जगह है। किला 5:30 बजे बंद हो जाता है, इसलिए आप समय पर पहुंचें।

मालाखेड़ा किला

गुलबर्गा में कालाबुरागी किले के अलावा मालाखेड़ा किला भी फेमस है। यह गुलबर्गा से लगभग 40 किमी की दूरी पर स्थित है। पहले इस किले को मान्यखेत के नाम से जाना जाता था। इस किले में कुल 4 प्रवेश द्वार हैं।

प्रकृति की गोद में बसा है हिमाचल का यह खूबसूरत गांव, वीकेड पर बनाएं घूमने का प्लान

भारत अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए पूरे विश्व में फेमस है। भारत की अद्भुत प्राकृतिक नजारों के दीदार करने के लिए किसी पहाड़ी जगह पर जरूर जाना चाहिए। भारत के पहाड़, झील, झरने और वनस्पतियों से समृद्ध घने जंगल पर्यटकों को अपनी तरफ आकर्षित करते हैं। वैसे तो भारत में घूमने के लिए कई ऐसे जगहें हैं, जो आपके मन को मोह लेंगी। लेकिन हिमाचल प्रदेश का लगभग हर स्थल दार्शनिक है। यहां पर गांवों से लेकर घाटी तक पर्यटकों का जमावड़ा लगता है। हर साल हिमाचल प्रदेश की सुंदरता को निहारने के लिए यहां पहुंचते हैं। अधिकतर लोग हिमाचल का नाम सुनते ही शिमला या मनाली के बारे में सोचने लगते हैं। बता दें कि हिमाचल में इन जगहों के अलावा भी घूमने के लिए कई पर्यटक स्थल हैं। जहां पर शांत वातावरण में आप आराम और सुकून के पल बिता सकते हैं। साथ ही आपका अधिक पैसा भी खर्च नहीं होगा। हिमाचल में शिमला-मनाली के अलावा तोप गांव को एक्सप्लोर कर सकते हैं। जो बेहद खूबसूरत और बजट फ्रेंडली है। यहां पर आपको कई हसीन और खूबसूरत जगह देखने को मिलेंगी।

तोष में यहां घूमें

अगर आपको भी प्राकृतिक सुंदरता को पास से देखने का मन है, तो आप हिमाचल प्रदेश के पार्वती घाटी पर तोष नामक गांव को एक्सप्लोर कर सकते हैं। बता दें कि यह गांव समुद्र तट से करीब 7900 की ऊँचाई पर बसा है। शहर की भागदौड़ और शोर-शराबे से दूर इस गांव में



चोर गुम्बज

ये किला एक पहाड़ी पर स्थित है, जो इस किले की सबसे खास बात यह है कि यहां अंदर आपको एक साथ बोलने पर सात गुंजे सुनी जा सकती हैं।

ख्वाजा बदे नवाज की दरगाह

यह दरगाह हजारत रुकनुद्दीन और उनके ब्राह्मण मित्र की याद में बनाई गई है। यह स्थान दोस्ती का सच्चा प्रतीक है, क्योंकि इससे यह साबित होता है कि दोस्ती कोई सीमा या धर्म नहीं मानता।



आप सुकून के कुछ पल बिता सकते हैं। यहां पर आप झरने, झील और बर्फ से ढके पहाड़ आपके मन को मोह लेंगी।

तोष में ट्रेकिंग

इसके अलावा इस गांव में आपको कई तरह की एक्टिविटी का भी मजा ले सकते हैं। यहां पर ट्रेकिंग कर सकते हैं, जो आपके बजट में होगा। पाटी के लिए भी यह बेहतरीन जगह है। आप चाहें तो तोष की लोकल पार्टी में भी शामिल हो सकते हैं।

तोष घूमने का खर्च

हिमाचल के तोष गांव में स्टे के लिए आपको रुकने के लिए कोई बड़ा होटल नहीं मिलेगा।



स्वादिष्ट पंजाबी व्यंजनों के लिए प्रसिद्ध है अमृतसर

अमृतसर, जिसे आम बोलचाल की भाषा में अंबरसर के नाम से जाना जाता है, इतिहास और आध्यात्मिकता से भरपूर एक शहर है। यह भारत के दूसरे सबसे बड़े शहर के रूप में, पंजाब के मध्य में एक प्रमुख सांस्कृतिक और धार्मिक केंद्र के रूप में खड़ा है। यह शहर सिख धर्म के सबसे पवित्र मंदिर स्वर्ण मंदिर के लिए प्रसिद्ध है। पवित्र अमृत सरोवर (अमृत का तालाब) से घिरा यह भव्य मंदिर सिख वास्तुकला का एक प्रमाण है और सभी लोगों का खुली बाहों से स्वागत करता है। अमृतसर सिख धर्म का आध्यात्मिक और सांस्कृतिक केंद्र है।

यह स्थान जलियांवाला बाग हत्याकांड और वाघा सीमा से निकटता के लिए भी जाना जाता है। अमृतसर व्यापार और पर्यटन उद्योगों वाला एक संपन्न शहर है। अमृतसर की हलचल भरी सड़कों पर घूमते हुए तमाम तरह के बाजार दिखते हैं जहाँ स्थानीय व्यंजन, रंगीन कपड़े और पारंपरिक शिल्प इंद्रियों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। इस



शांतिपूर्ण शहर में दिन की शुरुआत गुरुद्वारों से आध्यात्मिक प्रार्थनाओं के साथ होती है।

पाक कला के शौकीनों को अमृतसर की समृद्ध लजीज व्यंजन का आनंद मिलेगा। यह शहर अपने स्वादिष्ट पंजाबी व्यंजनों के लिए प्रसिद्ध है, जिनमें अमृतसरी कुल्चा, मक्की दी रोटी और सरसों दा साग शामिल हैं। हलचल भरी सड़कें स्ट्रीट फूड स्टालों की चकाचौंध से जीवंत हो जाती हैं, जो स्थानीय लोगों और पर्यटकों को पंजाब के स्वाद का आनंद लेने के लिए आमंत्रित करती हैं। अमृतसर जाने का सबसे अच्छा समय अक्टूबर से मार्च तक सर्दियों के महीनों के दौरान है, जब मौसम सुहावना होता है, जिससे पर्यटक आराम से शहर का भ्रमण कर सकते हैं।

एडवेंचर लवर हैं या फिर प्राकृतिक खूबसूरती को निहारने के शौकीन, रामेश्वरम करता है हर तरह के पर्यटकों का स्वागत

भारत में भगवान राम से जुड़े कई सारी जगहें हैं, लेकिन रामेश्वरम उनमें से सबसे ज्यादा प्रसिद्ध जगह है। कहा जाता है कि श्रीराम ने यहां भगवान शिव की पूजा की थी। इसलिए इसे राम के ईश्वर यानी रामेश्वरम के नाम से जाना जाता है। कहते हैं कि उस समय पंवन द्वीप भारत भूमि से जुड़ा हुआ था, बाद में यह मुख्य भूमि से अलग होकर एक छोटा द्वीप बन गया। अब यह द्वीप एक रेल-पुल के द्वारा जुड़ा हुआ है, जिसे पंवन ब्रिज कहते हैं। इसी के नजदीक श्रीराम द्वारा लंका वनाई के लिए पुल का निर्माण किया गया था। धनुषकोडी नामक इस जगह पर आज भी इसके अवशेष देखने को मिलते हैं। यह एक ऐसी जगह है, जहां धार्मिक लोग ही नहीं, बल्कि प्राचीन भवनों के निर्माण में रुचि रखने वालों की भी भीड़ देखन को मिलती है।



रामनाथस्वामी मंदिर

यह यहां का सबसे खास आकर्षण है। इसका धार्मिक महत्व इसलिए बढ़ जाता है, क्योंकि इसे भगवान शिव के पवित्र बारह ज्योतिर्लिंग मंदिरों में से एक माना जाता है। यहां दो शिवलिंग हैं- रामनाथ और विश्वंतर। कहते हैं कि जब श्रीराम ने यहां शिव जी की पूजा के बारे में सोचा तो उन्होंने हनुमान जी को केलाश पर्वत से शिवलिंग लेकर आने के लिए कहा। उनके लौटने में देर होने पर उन्होंने सीता जी द्वारा बनाए गए रेत के शिवलिंग की पूजा कर ली। बाद में जब हनुमान शिवलिंग लेकर आए, तो रेत के शिवलिंग की जगह उसे स्थापित करने का प्रयास किया गया, लेकिन वह शिवलिंग अपनी जगह से हिला नहीं। तब उसके साथ-साथ दूसरे शिवलिंग को भी विधिवत स्थापित किया गया और श्रीराम ने हनुमान के श्रम का मान रखने के लिए कहा कि यहां हमेशा पहले तुम्हारे द्वारा लाए गए शिवलिंग की पूजा होगी, उसके बाद मेरे द्वारा पूजे गए

रामनाथ की। इस परंपरा का पालन आज भी किया जाता है।

पंवन ब्रिज

यह भारत का पहला समुद्री पुल है। रामेश्वरम तक पहुंचने के लिए यही एकमात्र रास्ता है। पंवन ब्रिज 1914 में बनाया गया था। उस समय से 2010 तक मुंबई में सी लिंक बनने तक यह भारत का सबसे लंबा समुद्री पुल रहा। आप चाहे यहां रेल मार्ग से जा रहे हों या सड़क मार्ग से, दोनों ओर फैला समुद्र का खूबसूरत नजारा देखने को मिलता है।

मन्नार की खाड़ी मरीन नेशनल पार्क

रामेश्वरम से टूटीकोरिन द्वीप तक मरीन नेशनल पार्क है। मन्नार की खाड़ी एक यूनेस्को बायोस्फीयर रिजर्व है। यह रिजर्व अपने समुद्री जैव विविधता के लिए जाना जाता है। समुद्री वनस्पतियां और जीवों की चार हजार से ज्यादा प्रजातियां इसे और ज्यादा खास बनाती हैं।



श्रावण मास के दौरान हुआ महारुद्राभिषेक



निस

मुकुंदगढ़ (नवयत्न)। कस्बे के मंदिरों में श्रावण मास के पावन अवसर पर महारुद्राभिषेक का आयोजन किया गया। मंदिर पुजारी मनोज सुरोलिया ने बताया कि ज्योतिषाचार्य पंडित ज्ञानप्रकाश सुरोलिया के आचार्यत्व में विद्वान पंडितों ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ भगवान भोलैनाथ का रुद्राभिषेक करवाया जिसमें कुसुम, राजेंद्र घुवालेवाला बतौर यजमान पूजा-अर्चना में शामिल हुए। महारुद्राभिषेक के बाद भगवान भोलैनाथ का विशेष श्रृंगार कर आरती की गई। इस अवसर पर कावड़ियों की सेवा के लिए सेवा शिविर भी लगाया गया। दूर-दराज से आने वाले कावड़ियों के लिए अल्पाहार, चाय, भोजन-प्रसादी तथा आवश्यक दवाइयों की व्यवस्था की गई। सेवा शिविर में घनश्याम सुरोलिया, प्रकाश, किशनलाल, संजय कुमार, राजपाल, जुगल, रमाकांत, राजू टेलर एवं यथार्थ ने सेवाएं दी। इसी प्रकार बावलिया बाबा मंदिर में कावड़ियों के लिए सेवा शिविर लगाया गया। पंडित रामगोपाल शर्मा ने बताया कि कावड़ियों के लिए ठहरने एवं चाय, अल्पाहार, खाने एवं दवाइयों की व्यवस्था की व्यवस्था कर सेवाएं की गई। बिहारी लाल वर्मा, संजय रोहिल्ला, नरेश टेलर, मानस शर्मा, राजेश शर्मा, मनीष शर्मा, विनोद, निखिल कावड़ियों की सेवा में जुटे रहे।

नगर निकाय चुनाव को लेकर पुलिस का फ्लैग मार्च



निस

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। शहर में नगर निकाय चुनाव को लेकर पुलिस प्रशासन ने कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं। रविवार शाम को श्रीमाधोपुर शहर के मुख्य बाजार में पुलिस की ओर से फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च पुलिस चौकी से शुरू होकर शहर के रींगस बाजार, चौपड़ बाजार, खंडेला बाजार, नवोडी होती हुए सीकर बाजार, सुरानी बाजार, खटोडा बाजार, अस्पताल चौराहा होते हुए वापस पुलिस चौकी श्रीमाधोपुर पहुंचा। इस दौरान पुलिस जवानों ने लोगों को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष चुनाव का संदेश दिया। फ्लैग मार्च डिप्टी प्रेम बहादुर निर्भय के नेतृत्व में निकाला गया।

इसमें श्रीमाधोपुर थानाधिकारी दिनेश मीणा, थोई थानाधिकारी नेकीराम कलवाणियां सहित पुलिस जाब्ता मौजूद रहा। पुलिस अधिकारियों ने बाजार में पैदल मार्च करते हुए सुरक्षा व्यवस्था का जायजा भी लिया। नगर निकाय चुनाव के मद्देनजर पुलिस ने क्षेत्र में कानून व्यवस्था को लेकर अपनी सक्रियता बढ़ा दी। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस ने आमजन को भयमुक्त होकर मतदान करने का भरोसा दिलाया। साथ ही असामाजिक तत्वों को कानून व्यवस्था प्रभावित करने की किसी भी कोशिश पर सख्त कार्रवाई का संदेश दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि चुनाव के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है।

हम कामगार समाज का सामाजिक चिंतन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित



ललित दाधीय

राजलदेसर (नवयत्न)। माली-सैनी समाज भवन में हम कामगार समाज श्रवण राजलदेसर के तत्वावधान में रविवार को तहसील स्तरीय सामाजिक चिंतन शिविर एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में क्षेत्रभर से बड़ी संख्या में समाज के प्रबुद्धजन, सामाजिक कार्यकर्ता, विद्यार्थी एवं गणमान्य लोग शामिल हुए। कार्यक्रम में 268 से अधिक प्रतिभाओं के साथ 60 से अधिक सामाजिक कार्यकर्ताओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मंचस्थ अतिथियों ने मां सरस्वती, भगवान विश्वकर्मा, डॉ भूमिрав अंबेडकर, महात्मा ज्योतिबा फुले एवं सावित्रीबाई फुले के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर तथा पुष्पांजलि अर्पित कर किया। समारोह में दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री संदीप वाल्मीकि, हम कामगार समाज रतनगढ़ अध्यक्ष हरिप्रसाद हर्षवाल, राजलदेसर अध्यक्ष जयचंद महावर, दौलतराम पेशिया, ओबीसी प्रकोष्ठ के पूर्व अध्यक्ष श्रवण तंवर, रामचंद्र प्रजापत, चंद्रमोहन सैनी,

ओमप्रकाश सीमार, सोहनलाल खाटीवाला, रामरख मेघवाल, मोहनलाल स्वामी, राजकुमार प्रजापत, महेश सीमार, भजनलाल मीणा, निरधारी तंवर, जानकीदास स्वामी, बीकानेर से मिलन गहलोत, बनवारी जांगिड़, देवीलाल जेगनिया, श्यामसुंदर सोनी, लालाराम कुचेरिया, मोरदास नौरंगा राम, सांवरमल सुशार सहित अनेक अतिथि मंचस्थ रहे। सामाजिक चिंतन में प्रबुद्ध वक्ताओं ने मूल ओबीसी, एससी एवं एसटी वर्ग के सामाजिक उत्थान, शिक्षा, रोजगार, सामाजिक एकता और युवाओं की भूमिका सहित विभिन्न विषयों पर गहन मंथन किया। वक्ताओं ने कहा कि कामगार समाज की प्रगति का सबसे मजबूत आधार शिक्षा है। समाज के युवाओं को उच्च शिक्षा के साथ तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास से जोड़ना समय की आवश्यकता है। वक्ताओं ने समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने, आपसी भाईचारा मजबूत करने और समाज के सभी वर्गों को एकजुट होकर आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही समाज आने वाली पीढ़ियों

को बेहतर दिशा और मजबूत भविष्य दे सकता है। समारोह में शिक्षा एवं विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वाली प्रतिभाओं को प्रमाण पत्र एवं मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। इनमें कक्षा 10वीं के 84, कक्षा 12वीं के 107, स्नातक के 13, आईटीआई के 7, पीएचडी के 7, स्नातकोत्तर के 7, राजकीय सेवा में चयनित 25 तथा कंप्यूटर डिप्लोमा प्राप्त 6 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इसके अलावा 50 से अधिक सामाजिक कार्यकर्ताओं का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ बृजदीपक एवं कृपाशंकर स्वामी ने किया। इस अवसर पर सचिव लालचंद प्रजापत मास्टर, शंकरलाल खडोलिया, कोषाध्यक्ष मांगीलाल प्रजापत, श्रवण सैनी, रतनलाल बारूपाल, गणेश रेवाड़िया, लालदास स्वामी, पन्नालाल प्रजापति, जगदीश माणधणिया, कुंभदास स्वामी, पूर्णाराम, कुंदन माली, भंवरलाल प्रजापति, गोविंदराम प्रजापत सहित बड़ी संख्या में हम कामगार समाज के सामाजिक कार्यकर्ता एवं प्रबुद्धजन मौजूद रहे।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित



हरीश देवदा

नीमकाथाना (नवयत्न)। कस्बे के जांगिड़ हॉस्पिटल एवं ट्रॉमा सेंटर में रविवार को निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। शिविर में दूर दराज से आए हुए 52 मरीजों को निःशुल्क बीएफडी एवं विटामिन डी 3 लेवल की जांच की गई। बोन मिनरल डेंसिटी हड्डियों के मजबूती को दर्शाता है। विटामिन डी 3 कैल्शियम के अवशोषण एवं हड्डियों के मिनिरलाइजेशन के लिए आवश्यक है। जिन मरीजों का विटामिन डी 3 लेवल एवं बोन मैरो डेंसिटी लेवल कम था उनको डॉक्टर राजेश जांगिड़ वरिष्ठ हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ एवं डॉक्टर मौसमी जांगिड़ दंत रोग विशेषज्ञ ने कैल्शियम एवं विटामिन डी 3 को दवाईयां लेने, धूप सेवन करने की सलाह दी। डॉ जांगिड़ ने बताया धूप सेवन से त्वचा विटामिन डी 3 का संश्लेषण करती है। कम बीएमडी वाले मरीजों को दूध, हरी सब्जियां, फल, खजूर, सीताफल आदि का सेवन करना चाहिए। योग, व्यायाम एवं संतुलित आहार से हड्डियों एवं जोड़ों को मजबूत बनाने की सलाह दी ताकि भविष्य में होने वाले कमर दर्द, जोड़ दर्द एवं फ्रैक्चर से बचा जा सके। इस शिविर में रमेश, तेजवीर, अनिश, रणवीर, विकास, रामस्वरूप, रोहन, समर्थ आदि ने सहयोग किया।

सावन में बिसाऊ की शिवभक्ति... बुढ़िया महादेव के दर्शन के बाद शुरू होती है लोगों की दिनचर्या

300 साल पुराना बताया जाता है मंदिर, कमी जोहड़ के बीच था शिवालय, अब 15 सीढ़ियां उतरकर होते हैं शिवलिंग के दर्शन

झनिहं

बिसाऊ (नवयत्न)। सावन मास में भगवान शिव की भक्ति का रंग पूरे बिसाऊ में दिखाई देता है। कस्बे के बीच स्थित प्राचीन सेठ बुढ़िया महादेव मंदिर आज भी लोगों की आस्था का प्रमुख केंद्र है। यहां बड़ी संख्या में लोग सुबह सबसे पहले भगवान शिव के दर्शन करते हैं और इसके बाद अपनी दिनचर्या शुरू करते हैं। कई दुकानदार भी दुकान खोलने से पहले बुढ़िया महादेव के दरबार में शीश नवाते हैं। साहित्यकार डॉ. उदयवीर शर्मा और शिक्षाविद अमोलक चंद जागीड़ की पुस्तक बिसाऊ दिग्दर्शन के अनुसार बुढ़िया महादेव मंदिर बिसाऊ नगर की स्थापना से भी पहले का बताया जाता है। मंदिर के निर्माण काल का कोई प्रमाण उपलब्ध नहीं है। करीब 300 वर्ष पहले बिसाऊ को विशाले की ढाणी के नाम से जाना जाता था। उस समय वर्तमान मंदिर स्थल पर बड़ा जोहड़ हुआ करता था और उसी जोहड़ के मध्य भाग में शिवालय बना हुआ था।

जोहड़ के बीच था शिवालय, अब जमीन के नीचे हैं शिवलिंग

बताया जाता है कि उस समय बिसाऊ

चारों ओर मिट्टी के टीलों से घिरा हुआ था। यही वजह रही कि कस्बे की बसावट अपेक्षाकृत नीची भूमि पर हुई और मुख्य बाजार भी नीचे स्थित है। वर्तमान मंदिर में प्रवेश के लिए मुख्य द्वार से पांच सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। इसके बाद गर्भगृह में स्थित शिवलिंग के दर्शन के लिए करीब 10 सीढ़ियां नीचे उतरना पड़ता है। मंदिर की बनावट आज भी इसके प्राचीन इतिहास की याद दिलाती है। मान्यता के अनुसार पहले जोहड़ की चौबी पर एक छोटा शिवालय था। इसी में शिवलिंग स्थापित था और उसका मुख्य दरवाजा दक्षिण दिशा में खेजड़ी के पेड़ के पास खुलता था। बाद में राजठिकाने के कामदार या ठाकुर ने यहां पूजा-अर्चना की। मनोकामना पूरी होने के बाद राजठिकाने की ओर से भव्य मंदिर का निर्माण करवाया गया। वर्तमान में मंदिर का मुख्य द्वार उत्तर दिशा में है।

सावन में हर रात शिव महिम्न पाठ, सोमवार को भजन संध्या

मंदिर के पंडित सुनील शास्त्री के अनुसार सावन मास में हर रात मंदिर परिसर में करीब 45 मिनट तक शिव महिम्न स्तोत्र का पाठ किया जाता है। पूरे साल प्रत्येक



सोमवार रात को भजन संध्या होती है। शिवभक्त कांवड़ लेकर पहुंचते हैं और भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। महाशिवरात्रि पर मंदिर में फूलों से विशेष श्रृंगार, चार पहर की पूजा, रुद्राभिषेक और पंचमेवे की प्रसादी का आयोजन होता है। 31 दिसंबर को नववर्ष के स्वागत और मंदिर के वार्षिकोत्सव पर रात्रि जागरण, रुद्राभिषेक और प्रसादी भंडारा भी आयोजित किया जाता है।

गंगोत्री से गलता-लोहागल तक से कांवड़ लाकर अभिषेक

शिवभक्त बुढ़िया महादेव के लिए दूर-दूर से कांवड़ लेकर आते हैं। भक्त गंगोत्री, हरिद्वार, गलता और लोहागल से कांवड़ लाकर शिवलिंग का जलाभिषेक करते हैं।

गौसेवा के साथ सेवा प्रकल्पों पर मंथन, लायंस क्लब झुंझुनू जीवन की संयुक्त साधारण सभा हुई

बगड़ रोड स्थित नदीशाला में गायों को खिलाया हरा चारा, आगामी सेवा गतिविधियों और सदस्यता वृद्धि को लेकर लिए निर्णय



संजय सोनी

झुंझुनू (नवयत्न)। लायंस क्लब झुंझुनू जीवन की ओर से रविवार को सेवा गतिविधियों के तहत बगड़ रोड स्थित नदीशाला में गौसेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। क्लब सचिव एमजेएफ लायन ओमप्रकाश मूंड के संयोजकत्व में आयोजित कार्यक्रम में लायन रीना पुनिया के आर्थिक सौजन्य से उनके दोहिर्र कियान के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में गायों को हरी सब्जियां एवं हरा चारा खिलाया गया। इसके बाद सुबह 11 बजे लायंस क्लब झुंझुनू जीवन एवं लायंस जीवन चैरिटेबल सोसाइटी झुंझुनू की संयुक्त साधारण सभा हुई। सभा के अतिथि लायन डॉ. शुभकरण सिंह कालेर रहे, जबकि

अध्यक्षता क्लब अध्यक्ष एमजेएफ लायन डॉ. मुकेश एस. मूंड ने की। सभा में क्लब एवं सोसाइटी की आगामी सेवा गतिविधियों, विभिन्न सेवा प्रोजेक्ट्स, सदस्यता वृद्धि तथा प्रशासनिक एवं वित्तीय कार्यों पर चर्चा की गई।

आगामी कार्यक्रमों को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। सदस्यों ने सेवा कार्यों को अधिक प्रभावी एवं जनहितकारी बनाने के लिए सुझाव भी दिए। बैठक में सचिव लायन ओमप्रकाश मूंड, कोषाध्यक्ष लायन राम अवतार सिंह रेपस्वाल, सह सचिव लायन डॉ. संगीता मूंड, सह-कोषाध्यक्ष लायन अशोक कलहरी, क्लब एडमिनिस्ट्रेटर लायन एडवोकेट वीरेंद्र सिंह चाहर, पर्यावरण व वृक्षारोपण



जरूरतमंदों से लेकर पशु सेवा तक चलेंगे प्रकल्प

क्लब अध्यक्ष एमजेएफ लायन डॉ. मुकेश एस. मूंड ने कहा कि क्लब की ओर से सेवा कार्यों का दायरा बढ़ाया जाएगा। भूख एवं जरूरतमंदों की सहायता, मधुमेह जागरूकता, दुष्ट एवं नेत्र सेवा, पर्यावरण संरक्षण व वृक्षारोपण, बाल कैंसर जागरूकता, युवा विकास, शिक्षा एवं छात्र कल्याण, महिला सशक्तिकरण, आपदा राहत, वृद्धजनों की सहायता, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सेवा, रक्तदान, जल संरक्षण, स्व्छता, पशु एवं गौसेवा तथा सामाजिक जागरूकता सहित विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर सेवा गतिविधियां संचालित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि क्लब का उद्देश्य समाज के प्रत्येक जरूरतमंद वर्ग तक सेवा पहुंचाना और %सेवा ही सर्वोपरि की भावना को मजबूत करना है।

चेयरपर्सन लायन ओमप्रकाश मूंड, सोनी सहित अन्य लायन साथी मार्केटिंग चेयरपर्सन लायन प्रकाश मौजूद रहे।

बिसाऊ में चेयरमैन की कुर्सी पर नजर, भाजपा-कांग्रेस में टिकटों को लेकर मंथन तेज

निस

बिसाऊ (नवयत्न)। नगर पालिका बोर्ड पर कब्जे को लेकर भाजपा और कांग्रेस ने जिताऊ प्रत्याशियों को मैदान में उतारने की कवायद तेज कर दी है। दोनों दलों में टिकटों को लेकर बैठकों का दौर शुरू हो चुका है। इस बार पालिका अध्यक्ष की सीट सामान्य महिला के लिए आरक्षित होने से टिकट की राजनीति और दिलचस्प हो गई है। दोनों ही दलों में कई नेता अपनी पक्षियों को पार्षद का टिकट दिलाकर अध्यक्ष पद की दौड़ में उतारने की जुगत में लगे हैं। बिसाऊ नगर पालिका में 25 पार्षद चुने जाने हैं। इनमें 9 वाई महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। शेष सामान्य श्रेणी के वार्डों में भी महिलाओं के चुनाव मैदान में उतरने की संभावना है। ऐसे में बोर्ड में इस बार महिलाओं की संख्या 15 या उससे अधिक पहुंचने की चर्चा है। आधा दर्जन से अधिक महिलाएं अध्यक्ष पद के लिए चुनाव मैदान में उतरने की तैयारी में बताई जा रही हैं।

भाजपा की बैठक में टिकट को लेकर नाराजगी

शनिवार को भाजपा की ओर से

कसेरा भवन में टिकटों को लेकर बैठक आयोजित की गई। इसमें पूर्व सांसद नरेंद्र खिचड़, वरिष्ठ नेता डॉ. हरिसिंह सहराण, पूर्व एवं वर्तमान मंडल अध्यक्षों सहित कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक में संभावित प्रत्याशियों और टिकट वितरण को लेकर चर्चा हुई। बैठक में कुछ चुनिंदा कार्यकर्ताओं को ही सूचना दिए जाने और अन्य कार्यकर्ताओं को बैठक से दूर रखने को लेकर नाराजगी के स्वर भी सामने आए। कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाए। कुछ कार्यकर्ताओं ने जिताऊ और सक्रिय कार्यकर्ताओं की दवेदारी को नजरअंजब किए जाने पर भी नाराजगी जताई। बैठक से मीडिया कर्मियों को दूर रखा गया।

कांग्रेस में सिर्फ पार्षद का चुनाव लड़ें का मंत्र

इधर कांग्रेस में जिला अध्यक्ष एवं विधायक रीटा चौधरी ने कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर चुनाव में जिताऊ प्रत्याशियों को टिकट देने का भरोसा दिलाया। उन्होंने कार्यकर्ताओं को फिलहाल चेयरमैन पद की बजाय पार्षद का चुनाव लड़ने पर ध्यान केंद्रित



हारून खत्री का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

इधर शनिवार को भाजपा के पूर्व पालिका अध्यक्ष हारून खत्री ने अपने बंगले पर जगमदिन के मौके पर कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें महिला डॉसरो के नृत्य का कार्यक्रम भी हुआ, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में युवा पहुंचे। इसी कार्यक्रम का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में हारून खत्री मंच के आसपास चहल-कदमी करते हुए भाषण देते नजर आ रहे हैं। उनके आसपास बाँडीगाई भी दिखाई दे रहे हैं और कमर पर रिवॉल्वर नजर आ रही है। वायरल वीडियो में खत्री कथित तौर पर टाइगर जीतकर फिर लौटकर आएगा, युवाओं को हारून खत्री चाहिए सहित कई बातें कहते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में वे समर्थकों को संबोधित करते हुए अपने अंदाज में यह भी कहते नजर आ रहे हैं कि आप लोगों की हिम्मत से मैं टाइगर बना हूं और खत्री किसी का मोहताज नहीं है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो को लेकर बिसाऊ की राजनीति में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है।

करने की सलाह दी। कांग्रेस खेमे में इस रणनीति का असर यह बताया जा रहा है कि टिकट वितरण को लेकर फिलहाल खुलकर कोई बड़ी नाराजगी

सामने नहीं आई है। राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा भी है कि कांग्रेस का बोर्ड बनाने में बिसाऊ के तीन भामाशाह पर्दे के पीछे अहम भूमिका निभा सकते हैं।

रक्तदान शिविर कल

अमित प्रजापत

सुजानगढ़ (नवयत्न)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की ओर से दादी प्रकाशमणि की स्मृति में 21 से 25 अगस्त तक विश्व बंधुत्व रक्तदान महा अभियान के अंतर्गत 25 अगस्त मंगलवार को ब्रह्माकुमारी सेवा केंद्र लुहारा गाड़ा पर रक्त महादान शिविर का

आयोजन किया जाएगा। केंद्र संचालिका बीके सुप्रभा ने बताया कि प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की पूर्व मुख्य प्रसासिका डॉ दादी प्रकाशमणि के 19 में स्मृति दिवस पर पूरे भारत में 25 अगस्त तक डेढ़ लाख यूनिट देने का लक्ष्य रखा गया है। अतः रक्त दान बहुत बड़ा पुण्य का कार्य है, जो समर्थ है, उन्हें रक्त का दान कर महा पुण्य का कार्य करना चाहिए।

दिवंगत गीत ऋषि दुर्गादानसिंह गौड़ को श्रद्धार्पण



नवयतन वर्मा

रतनगढ़ (नवयत्न)। रतनगढ़ में साहित्य कला संगम के तत्वाधान में स्थानीय नवोदयन एकेडमी संस्थान में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में राजस्थान के हाड़ौती अंचल के ख्यातनाम गीतकार कवि दुर्गादानसिंह गौड़ के निधन पर उनको श्रद्धा सुमन अर्पित किए। आयोजित श्रद्धांजलि सभा में कवि दुर्गादानसिंह गौड़ के काव्य और गीतों पर विशेष चर्चा की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अपर लोक अभियोजक जयकांत बिंवाल ने कहा कि संस्कृति और धरोहर को बचाने में साहित्यकारों का बड़ा योगदान है। किशन सराफ ने कहा कि दुर्गादानसिंह गौड़ का क्षेत्र में काव्य जगत से काफी गहरा संबंध था। श्रद्धांजलि सभा में साहित्यकार दिलीप स्वामी मनु, परमेश्वरलाल गौड़, प्रधानाचार्य नरेंद्र सांकृत्य, रामचंद्र पारीक, महेश कल्यक, लक्ष्य पारीक आदि उपस्थित थे। स्व. दुर्गादानसिंह गौड़ के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पण से शुरू हुए कार्यक्रम में शिक्षाविद् कुलदीप व्यास ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर के काव्य मंचों पर दुर्गादानसिंह गौड़ के सुमधुर गीतों ने अपनी अनूठी छाप छोड़ी है, व्यास ने उनके गीत गोरी-गोरी गजबन बणी ठणी, मुजरो-मुजरो खम्मा घणी का मुखड़ा गाकर सुनाया तो श्रोताओं ने भी सुर में सुर मिलाए। युवा कवि मनोज चारण ने संचालन के दौरान जानकारी दी कि दुर्गादानसिंह गौड़ आजादी के वर्ष 1947 में कोटा की खानपुर तहसील के जोलपा गांव में जन्मे थे और रतनगढ़ के कवि सम्मेलनों में आपकी उपस्थिति हमेशा रही। चारण ने दुर्गादानसिंह गौड़ का सुप्रसिद्ध गीत जाय सासरे जा बेटी और पाणी में चँद घुले छे जैसे गीत प्रस्तुत करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

टीकाकरण कयों है जीवनभर का सुरक्षा कवच : डॉ. अखिल गुप्ता

निसं

जयपुर (नवयत्न)। टीकाकरण को आमतौर पर बचपन में लगाए जाने वाले नियमित टीकों तक सीमित माना जाता है, जबकि बदलती उम्र और स्वास्थ्य स्थिति के साथ इसकी जरूरत बनी रहती है। किशोरावस्था से लेकर वयस्क जीवन, गर्भावस्था और वृद्धावस्था तक उम्र के अनुसार टीकाकरण निवारक स्वास्थ्य देखभाल का महत्वपूर्ण हिस्सा है। फोर्टिस एस्कोर्ट्स हॉस्पिटल जयपुर के कंसल्टेंट-इंटरनल मेडिसिन डॉ. अखिल गुप्ता ने कहा कि लोगों में अभी भी यह धारणा है। कि बचपन में सभी जरूरी टीके लग जाने के बाद टीकाकरण की आवश्यकता समाप्त हो जाती है। उन्होंने कहा कि उम्र के साथ शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता और संक्रमणों का जोखिम बदलता रहता है। ऐसे में समय-समय पर टीकाकरण की जरूरत की समीक्षा करना जरूरी है। डॉ. गुप्ता के अनुसार उम्र बढ़ने के साथ कुछ संक्रमणों का जोखिम और उनके गंभीर होने की आशंका बढ़ सकती है। खासकर डायबिटीज या हृदय रोग जैसी पुरानी बीमारियों से जुझ रहे लोगों में संक्रमण गंभीर रूप ले सकता है। इसलिए ऐसे लोगों को चिकित्सकीय सलाह के अनुसार अपने टीकाकरण की स्थिति पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि टीकाकरण इतिहास की डॉक्टर के साथ समय-समय पर समीक्षा भी नियमित स्वास्थ्य जांच का हिस्सा होनी चाहिए। व्यक्ति की उम्र, स्वास्थ्य स्थिति और जोखिम के आधार पर चिकित्सक आवश्यक टीकों को लेकर उचित सलाह दे सकते हैं। उन्होंने जोर दिया कि टीकाकरण केवल बचपन की स्वास्थ्य व्यवस्था का हिस्सा नहीं है, बल्कि जीवन के अलग-अलग चरणों में संक्रमण से बचाव के लिए निरंतर निवारक स्वास्थ्य उपाय है। जागरूकता और समय पर टीकाकरण से व्यक्ति और समुदाय दोनों के स्वास्थ्य की बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है।

चलती लो-फ्लोर बस के इंजन में लगी आग : यात्रियों में मची अफरा-तफरी

निसं

जयपुर (नवयत्न)। राजधानी में रविवार को कालवाड़ से चांदपोल जा रही जेसीटीएसएल की लो-फ्लोर बस में अचानक आग लग गई। चलती बस के इंजन वाले हिस्से से धुआं निकलते देख यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। चालक ने बस रोककर सभी यात्रियों को सुरक्षित नीचे उतारा। गनीमत रही कि हादसे में किसी यात्री को नुकसान नहीं पहुंचा। जानकारी के अनुसार स्टू संख्या 24 की बस 8538 के इंजन वाले हिस्से में अचानक आग लगी। आग बढ़ने के साथ बस से धुआं उठने लगा। आग का पता चलते ही यात्रियों ने तत्काल बस से बाहर निकलना शुरू कर दिया। देखते ही देखते बस खाली हो गई। प्रारंभिक तौर पर इंजन में तकनीकी खराबी को आग लगने की वजह माना जा रहा है। घटना के दौरान बस में रखा अग्निशमन यंत्र यानी फायर एक्सटिंग्विशर खाली मिला। ऐसे में आग बुझाने के लिए तत्काल पीछे से आ रहे पानी के टैंकर को रुकवाया गया। टैंकर की मदद से पानी डालकर आग पर काबू पाया गया। इससे आग को ज्यादा फैलने से रोक लिया गया। आग बुझने के बाद बस को मौके से हटा दिया गया। चलती बस में आग लगने और फायर एक्सटिंग्विशर के खाली मिलने से जेसीटीएसएल की बसों के रखरखाव और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। लो-फ्लोर बसें रोजाना बड़ी संख्या में यात्रियों को शहर के अलग-अलग स्टू पर लेकर चलती हैं। ऐसे में इंजन, वॉरिंगर, ब्रेक सिस्टम और अग्निशमन उपकरणों की नियमित जांच जरूरी है। एम्पलाइज यूनिनन एटो के संगठन सचिव विपिन के अनुसार टोड़ी डिग्री से संचालित बसों के रखरखाव का काम मातेश्वरी कंपनी के जिम्मे बताया जा रहा है। आरोप है, कि बसों के रखरखाव की प्रक्रिया मजदू कागजी कार्रवाई तक सीमित है और जमीनी स्तर पर बसों की तकनीकी स्थिति की पर्याप्त जांच नहीं की जा रही। आग लगने वाली मिनी बस की निर्धारित संचालन अवधि मार्च में पूरी हो चुकी थी। इसके बावजूद जेसीटीएसएल प्रबंधन की ओर से संचालन अवधि तीन माह और बढ़ाने की बात सामने आई है। आरोप है कि अवधि बढ़ाने से पहले बस की समुचित तकनीकी जांच नहीं की गई। इसके अलावा 50 डबल डेकर बसों के रखरखाव का काम भी इसी कंपनी को दिए गए हैं। जानकारी सामने आई है। घटना ने यह सवाल भी खड़ा किया है कि बसों की फिटनेस जांच के दौरान अग्निशमन यंत्र की स्थिति कितनी गंभीरता से जांची जाती है। यदि बस में आग बुझाने का उपकरण मौजूद है, लेकिन वह खाली या खराब है तो अपात स्थिति में यात्रियों के पास तत्काल बचाव का साधन नहीं रहेगा। रविवार को पीछे से आ रहे पानी के टैंकर की मदद मिल गई, लेकिन हर बार ऐसी मदद समय पर मिले, यह जरूरी नहीं। जयपुर में इससे पहले भी चलती बसों में आग लगने की घटनाएं सामने आती रही हैं। प्रत्येक घटना के बाद बसों की फिटनेस और रखरखाव को लेकर सवाल उठते हैं, लेकिन कुछ समय बाद व्यवस्था पुराने ढर्रे पर लौटती दिखाई देती है। रविवार की घटना के बाद एक बार फिर शहर में संचालित लो-फ्लोर बसों की तकनीकी स्थिति, फिटनेस और अग्निशमन उपकरणों की जांच की जरूरत सामने आई है।

जापान-राजस्थान ज्वेलरी सहयोग को मिलेगी नई गति : निवेश-तकनीक और रोजगार पर जोर

निसं

जयपुर (नवयत्न)। जापान के कोफू शहर के महापौर हिगुची युइची के नेतृत्व में आए उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात की। इस दौरान राजस्थान और जापान के बीच उद्योग, निवेश, तकनीकी सहयोग तथा रत्न एवं आभूषण कारोबार के विस्तार पर चर्चा हुई। बैठक में जयपुर और जापान के यामानाशी प्रांत के बीच दशकों पुराने संबंधों को और मजबूत करने तथा ज्वेलरी उद्योग में नई संभावनाएं तलाशने पर जोर दिया गया। जयपुर ज्वैलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राजू मंगोड़ीवाला ने बताया कि मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान सरकार राज्य की खनिज संपदा, पर्यटन, व्यापार और उद्योगों के विकास के लिए लगातार काम कर रही है। जापान के साथ आर्थिक और औद्योगिक



सहयोग को और मजबूत करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने जयपुर ज्वैलर्स एसोसिएशन और यामानाशी ज्वेलरी एसोसिएशन को तकनीक, निवेश, कौशल विकास और व्यापार विस्तार के क्षेत्र में मिलकर काम करने का आह्वान किया। इससे कारोबार बढ़ने के साथ रोजगार के नए अवसर भी सृजित हो सकेंगे। महापौर हिगुची युइची ने मुख्यमंत्री को बताया कि जयपुर और कोफू के बीच करीब तीन

दशक से मजबूत संबंध हैं। जयपुर के कई ज्वेलरी उद्यमी और उनके परिवार वर्षों से कोफू में रह रहे हैं। और वहां के ज्वेलरी उद्योग एवं स्थानीय अर्थव्यवस्था में योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय उद्यमशीलता और कौशल के साथ जापान की तकनीक, गुणवत्ता और परिशुद्धता का समन्वय दोनों देशों के लिए लाभकारी साबित हो रहा है। बैठक में करीब दो वर्ष पूर्व जयपुर ज्वैलर्स एसोसिएशन और यामानाशी ज्वेलरी

एसोसिएशन के बीच हुए समझौता ज्ञापन एमओयू का भी उल्लेख हुआ। दोनों पक्षों ने इसे संस्थागत सहयोग की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताते हुए भविष्य में इसका दायरा बढ़ाने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भारत की युवा शक्ति, कौशल और विशाल कार्यबल को जापान की उन्नत तकनीक, नवाचार, गुणवत्ता और कार्य संस्कृति से जोड़कर नए अवसर पैदा किए जा सकते हैं। उन्होंने दोनों देशों के

बीच दीर्घकालिक और विश्वासपूर्ण साझेदारी को समय की जरूरत बताया। यामानाशी ज्वेलरी एसोसिएशन की अंतरराष्ट्रीय समिति के अध्यक्ष नवीन सौंखिया ने कहा कि जयपुर और यामानाशी के बीच वर्षों से मजबूत मानवीय और व्यावसायिक संबंध हैं। वहीं राजू मंगोड़ीवाला ने कहा कि जापानी निवेश और तकनीक के सहयोग से जयपुर का रत्न एवं आभूषण उद्योग वैश्वक स्तर पर अधिक

प्रतिस्पर्धी बन सकेगा। इससे निर्यात, नवाचार और कौशल विकास को भी नई दिशा मिलेगी। प्रतिनिधिमंडल में यानागिमोतो चिकारा, अध्यक्ष, यामानाशी ज्वेलरी एसोसिएशन और शिंदो नाकाबा, वरिष्ठ सलाहकार, द यामानाशी चुओ बैंक लिमिटेड सहित ज्वेलरी और व्यापार जगत के वरिष्ठ प्रतिनिधि मौजूद रहे। बैठक के दौरान महापौर हिगुची युइची ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को कोफू आने का निमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री ने निमंत्रण स्वीकार करते हुए भविष्य में कोफू यात्रा की इच्छा व्यक्त की। बैठक को राजस्थान और जापान के बीच रत्न एवं आभूषण उद्योग, निवेश, तकनीकी सहयोग और रोजगार सृजन की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। इससे जयपुर-कोफू के पुराने संबंधों को नई ऊर्जा मिलने और दोनों देशों के व्यापारिक रिश्तों के और मजबूत होने की उम्मीद है।

कोफूमेयर युइची हिगुची से पूर्व महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर की आत्मीय मुलाकात



निसं

जयपुर (नवयत्न)। जापान के यामानाशी प्रोफेक्टर की राजधानी कोफूशहर के मेयर युइची हिगुची के जयपुर आगमन पर पूर्व महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने उनसे आत्मीय मुलाकात की। शनिवार को हुई इस मुलाकात में भारत-जापान मैत्री, संस्कृतिक आदान-प्रदान, पर्यटन तथा जयपुर और कोफू के बीच भविष्य में सहयोग की संभावनाओं पर सार्थक चर्चा हुई। मेयर हिगुची ने जयपुर यात्रा के अनुभव साझा करते हुए कहा कि कोफूऔर जयपुर में कई समानताएं हैं। कोफू भी प्राकृतिक सौंदर्य के बीच बसा शहर है और वहां के लोगों का प्रकृति से गहरा जुड़ाव है। उन्होंने जयपुर की प्राकृतिक सुंदरता, ऐतिहासिक विरासत और जीवंत संस्कृति की सराहना की। उन्होंने बताया कि कोफू जापान में ज्वेलरी और आभूषण निर्माण के लिए विशेष पहचान रखता है। जयपुर के प्रसिद्ध आभूषण एवं हस्तशिल्प उद्योग से कोफूकी इस विशेषता की समानता को देखते हुए दोनों शहरों के बीच जयपुर-कोफू के बीच सांस्कृतिक, पर्यटन, ज्वेलरी और व्यापारिक सहयोग को आगे बढ़ाने पर सकारात्मक चर्चा की। दोनों शहरों की समानताओं और विशिष्टताओं को देखते हुए भविष्य में आपसी अनुभव और विशेषज्ञता के आदान-प्रदान की संभावनाओं पर भी विचार किया गया।

पत्रकारिता के नैतिक मूल्यों की रक्षा के संकल्प के साथ शेखावत का कार्यकाल एक वर्ष बढ़ा

नीमकाथाना पत्रकार समिति की बैठक आयोजित

हरिश देवदा

नीमकाथाना (नवयत्न)। बदलते दौर में पत्रकारिता की विश्वसनीयता, नैतिकता और सामाजिक सरोकारों को मजबूत करने के संकल्प के साथ नीमकाथाना पत्रकार समिति की साधारण बैठक रविवार को समिति कार्यालय में आयोजित हुई। बैठक में सर्वसम्मति से वर्तमान अध्यक्ष नरेंद्र सिंह शेखावत का कार्यकाल एक वर्ष के लिए बढ़ाने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही समिति के संगठनात्मक विस्तार, वित्तीय पारदर्शिता, पत्रकार प्रशिक्षण और पत्रकार हितों से जुड़े कई अहम प्रस्तावों पर सहमति बनी।

वित्तीय पारदर्शिता के लिए लेखा-जोखा और ऑडिट

बैठक में समिति के वित्तीय वर्ष के आय-व्यय का व्यवस्थित लेखा-जोखा रखने तथा समिति का नियमित ऑडिट करवाने का निर्णय भी लिया गया। पदाधिकारियों ने संगठन की कार्यप्रणाली को पारदर्शी, जवाबदेह और संधिधानसम्मत बनाए रखने पर जोर दिया।

आज पत्रकारिता के नैतिक मूल्यों की रक्षा का समय

वरिष्ठ पत्रकार हरिकिशन राव ने कहा कि वर्तमान समय पत्रकारिता के नैतिक मूल्यों की रक्षा करने का है। उन्होंने पत्रकारिता की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए

पत्रकारों से जिम्मेदारी, निष्पक्षता और सामाजिक सरोकारों के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मजबूत संगठन पत्रकारों के हितों के साथ-साथ पत्रकारिता की गरिमा को बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

पत्रकार हितों के लिए समिति रहेगी प्रतिबद्ध

समिति के संरक्षक शंकर सिंह शेखावत ने कहा कि पत्रकार समिति पत्रकारों के हितों के लिए कार्य करने को लेकर प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि समिति की ओर से मीडिया साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए पत्रकारिता प्रशिक्षण, संवाद कार्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित की जाती रही हैं। भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों को निरंतर जारी रखा जाएगा ताकि पत्रकार बदलते मीडिया परिदृश्य और नई तकनीकी चुनौतियों के अनुरूप स्वयं को तैयार कर सकें।

नगरपालिका से भूमि और भवन की मांग करेगी समिति

समिति अध्यक्ष नरेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि पत्रकार समिति के कार्यालय के सुचारु संचालन एवं भविष्य की गतिविधियों के लिए नगरपालिका प्रशासन के समक्ष भूमि और भवन उपलब्ध करवाने की मांग रखी जाएगी।

उन्होंने कहा कि समिति का स्थायी कार्यालय होने से पत्रकारों



संगठन को और व्यापक बनाने पर जोर

समिति के संरक्षक एवं वरिष्ठ पत्रकार हरिकिशन राव ने बताया कि बैठक में कार्यकारिणी में सदस्यों की संख्या बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। साथ ही समिति के संचिधान के अनुरूप संगठनात्मक गतिविधियों का संचालन करने और नियमों को प्रभावी रूप से लागू करने पर भी चर्चा हुई। पाटन क्षेत्र में कार्यरत पत्रकारों को भी समिति से जोड़ने का निर्णय लिया गया जिससे पूरे क्षेत्र के पत्रकारों के बीच बेहतर समन्वय और संवाद स्थापित हो सकेगा।

ऑनलाइन माध्यम से भी जुड़े सदस्य

बैठक में समिति के सदस्य ऑनलाइन माध्यम से भी जुड़े और बैठक की कार्यवाही में सहभागिता की। बैठक में समिति के उपाध्यक्ष दीपक शर्मा, महासचिव मनीष टॉक, महेश यादव, आशीष चौधरी, हरिश देवदा एवं इन्द्राज योगी सहित समिति के सदस्य मौजूद रहे।

के लिए संवाद, प्रशिक्षण और संगठनात्मक गतिविधियों का बेहतर मंच उपलब्ध हो सकेगा।

कार्यकारिणी सदस्यों को जारी होंगे परिचय पत्र

बैठक में कार्यकारिणी के सभी सदस्यों के परिचय पत्र जारी करने का भी निर्णय लिया गया। इससे समिति की कार्यकारिणी को औपचारिक पहचान मिलने के साथ संगठनात्मक कार्यों के संचालन में भी सुविधा होगी।

सामूहिक श्रमदान से निखरा पब्लिक पार्क, तीन रविवार में पूरा हुआ स्वच्छता अभियान

निसं

बीकानेर (नवयत्न)। हर सप्ताह कुछ समय राष्ट्र के नाम के संकल्प के साथ हॉर फॉर नेशन टीम द्वारा कलेक्टर कार्यालय के सामने स्थित पब्लिक पार्क में चलाया जा रहा स्वच्छता अभियान रविवार को तीसरे चरण के साथ पूर्ण हो गया। लगातार तीन रविवार तक चले सामूहिक श्रमदान के बाद पार्क का सफाई कार्य पूरी तरह पूरा कर लिया गया। अभियान के अंतिम चरण में शहर की विभिन्न सामाजिक एवं खेल संस्थाओं ने भी सहभागिता निभाई। दिशोदय स्पोर्ट्स फाउंडेशन एवं री-स्टार्ट जिम्नारिक्स एकेडमी सहित अन्य सहयोगी संस्थाओं के सदस्यों ने टीम के साथ मिलकर श्रमदान किया। इससे अभियान को व्यापक स्वरूप मिला और सामाजिक संस्थाओं के सामूहिक प्रयास का सकारात्मक संदेश गया। स्वच्छता अभियान में बड़ी संख्या में युवाओं, विद्यार्थियों और नन्हें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों ने भी बिना किसी शिक्षक के अपने हाथों से सफाई करते हुए पार्क को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने में योगदान दिया। बच्चों का खुशी-खुशी श्रमदान करना अभियान का विशेष आकर्षण रहा। लगातार तीन सप्ताह की मेहनत के बाद रविवार को पार्क का स्वरूप पूरी तरह बदला हुआ नजर आया। सफाई के बाद पार्क स्वच्छ, व्यवस्थित और आकर्षक दिखाई दिया।



अभियान के दौरान एक टैक्टर-ट्रॉली में एकत्रित कचरे को भरकर ड्रॉपिंग यार्ड भेजा गया। हॉर फॉर नेशन टीम का कहना है। कि स्वच्छता केवल किसी एक व्यक्ति, संस्था या प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है। सामूहिक श्रमदान, सहभागिता और जिम्मेदारी की भावना से ही शहर के सार्वजनिक स्थलों को बेहतर बनाया जा सकता है। अभियान ने यह संदेश दिया कि सकारात्मक सोच के साथ उठाया गया छोटा कदम भी बड़े बदलाव की शुरुआत बन सकता है। वर्ष 2016 से बीकानेर में निरंतर

स्वच्छता अभियान चला रही हॉर फॉर नेशन का मूल संदेश शिश्कायत नहीं, सहयोग है। संस्था बिना किसी राजनीतिक प्रभाव अथवा आर्थिक सहयोग के सामूहिक श्रमदान के माध्यम से सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के प्रयास में जुटी है। तीन रविवार, सामूहिक प्रयास और एक खूबसूरत परिणाम- रविवार को पब्लिक पार्क की चमक इस बात की गवाही दे रही थी कि बदलाव संभव है, बस शुरुआत करने की जरूरत है। हर सप्ताह कुछ समय राष्ट्र के नाम।